

संपादकीय



जब सत्ता की गाड़ी फंसी तब जागा सिस्टम

जनता के लिए गहरे वर्षों तक नहीं दिखे...

सत्ता की गाड़ी फंसी तो व्यवस्था की आंखें खुल गईं...

कभी-कभी एक छोटी-सी घटना पूरी व्यवस्था का बड़ा सच सामने ला देती है। 20 अगस्त को एनएच-43 पर सत्तारूढ़ दल के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की गाड़ी का गहरे गड्ढे में फंसना भी ऐसी ही घटना है। यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि किसी बड़े नेता की गाड़ी फंस गई, बल्कि इसलिए कि उस गाड़ी के फंसते ही वह सड़क अचानक व्यवस्था की नजर में आ गई, जिसे आम जनता वर्षों से झेलती आ रही है।

यही वह बिंदु है जहां से सवाल शुरू होता है...

क्या सड़क पर गड्ढा तब ही दिखाई देता है, जब उसमें सत्ता की गाड़ी फंसी है? अम्बिकापुर और सरगुजा की सड़कों की हालत किसी से छिपी नहीं है। मनेन्द्रगढ़ रोड, खरसिया रोड, रामानुजगंज रोड और एनएच-43 के कई हिस्सों में आम नागरिक लंबे समय से परेशानी झेल रहे हैं। लोग गिरते हैं, वाहन खराब होते हैं, दुर्घटनाएं होती हैं, मरीज परेशान होते हैं। शिकायतें भी होती हैं और जनप्रतिनिधियों तक आवाज भी पहुंचती है। लेकिन व्यवस्था का पहिया उतनी तेजी से नहीं घूमता, जितनी तेजी से सत्ता की गाड़ी फंसने के बाद घूमता दिखाई देता है।

यही अंतर लोकतंत्र के लिए असहज करने वाला है...

जनता की गाड़ी का टूटना केवल वाहन का नुकसान नहीं है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए खराब सड़क का मतलब है—मरम्मत का अतिरिक्त खर्च, अस्पताल तक पहुंचने में देरी, काम पर पहुंचने में परेशानी और हर सफर में दुर्घटना का डर। किसी किसान के लिए खराब सड़क बाजार तक पहुंचने की मुश्किल है। किसी विद्यार्थी के लिए यह रोज स्कूल जाने का जोखिम है। किसी मरीज के लिए यह जीवन और समय का सवाल हो सकता है। फिर भी इन परेशानियों का वजन शायद उतना नहीं है, जितना किसी प्रभावशाली व्यक्ति की दो घंटे की परेशानी का।

यही सोच बदलनी होगी...

सत्ता जनता से बनती है। सरकार जनता के लिए होती है। अधिकारी जनता की सेवा के लिए होते हैं। सड़कें जनता के टेक्स और सार्वजनिक धन से बनती हैं। फिर जनता को अपनी समस्या साबित करने के लिए किसी वीआईपी की परेशानी का इंतजार क्यों करना पड़े?

यदि सड़क की मरम्मत तुरंत शुरू हो सकती है, तो पहले क्यों नहीं हुई?

यदि कुछ ट्रैक्टर मलबे से गड्ढे भरे जा सकते हैं, तो जनता की शिकायतों के बाद यह मलबा क्यों नहीं मिला? यदि अधिकारियों को सड़क की स्थिति पता थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इन प्रश्नों का उत्तर केवल सड़क विभाग को नहीं, पूरी प्रशासनिक व्यवस्था को देना चाहिए।

और यही 'सुरासन' शब्द की असली परीक्षा होती है...

सुरासन का अर्थ यह नहीं कि किसी बड़े व्यक्ति के नाराज होते ही अधिकारी सक्रिय हो जाएं। सुरासन का अर्थ तो यह है कि किसी आम नागरिक को शिकायत लेकर दर-दर न भटकना पड़े। सड़क पर गड्ढा दिखाई दे तो उसे भरने के लिए किसी बड़े पदाधिकारी के निर्देश की जरूरत न पड़े। व्यवस्था इतनी संवेदनशील हो कि समस्या को शिकायत बनने से पहले पहचान ले और दुर्घटना होने से पहले सुधार दे।

जिस व्यवस्था को जगाने के लिए सत्ता की गाड़ी का फंसना पड़े, उस व्यवस्था को अपनी संवेदनशीलता पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

यहां स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका पर भी सवाल उठाना स्वाभाविक है। गड्ढे भरने के लिए मौके पर पहुंचना अच्छी पहल है। मलबा डलवाना भी जरूरी था। लेकिन सवाल यह है कि सड़क पर मलबा डलवा दिया गया। लेकिन जनता यह देखेगी कि पहली बारिश के बाद सड़क कैसी रहती है। कुछ सप्ताह बाद गड्ढे फिर बनते हैं या नहीं। पूरी सड़क को मरम्मत होती है या केवल उस हिस्से को जहां सत्ता की गाड़ी फंसी थी।

यही असली कसौटी होगी...

स्थानीय मंत्री और प्रभारी मंत्री से भी जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीति केवल चुनाव जीतने और पद संभालने का नाम नहीं है। सत्ता का अर्थ यह भी है कि जनता की रोजमर्रा की तकलीफों को प्राथमिकता दी जाए। यदि सड़कें वर्षों से खराब हैं तो बजट, निर्माण की गुणवत्ता, रखरखाव, ठेकेदार और विभागीय जिम्मेदारों—हर पहलू की समीक्षा होगी चाहिए। लेकिन इस पूरे प्रसंग को केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। इसे व्यवस्था सुधारने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए।

सरकार चाहे तो इस एक घटना को पूरे सरगुजा की सड़कों के लिए अभियान में बदल सकती है। सभी प्रमुख सड़कों का सर्वे हो। खतरनाक गड्ढों को चिह्नित किया जाए। तत्काल मरम्मत और स्थानीय निर्माण की अलग-अलग समय-सीमा तय हो। जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही तय हो। निर्माण की गुणवत्ता की जांच हो। और सबसे जरूरी—जनता की शिकायत को 'देखेंगे' कहकर टालने की संस्कृति समाप्त हो।

क्योंकि सड़क का गड्ढा केवल सड़क में नहीं होता।

कभी-कभी वह हमारी प्रशासनिक सोच में भी होता है...

एक गड्ढा सड़क को नुकसान पहुंचाता है,

दूसरा गड्ढा जनता और व्यवस्था के बीच भरसे को...

एनएच-43 का गड्ढा भर जाएगा। सड़क फिर चलने लायक हो जाएगी। लेकिन जनता के मन में उठे इस सवाल का गड्ढा कौन भरेगा कि उसकी परेशानी को गंभीरता से लेने के लिए आखिर सत्ता की गाड़ी का फंसना क्यों जरूरी था? लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण गाड़ी सत्ता की नहीं, जनता के भरसे को गाड़ी होती है। उसे गड्ढे में गिरने से बचना ही असली सुरासन है।

अंतिम व्यक्ति की पहुंच में स्वास्थ्य सुविधाएं

किसी भी सभ्य और संवेदनशील समाज की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके सबसे दूर बसे नागरिक को स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा कितनी सहजता से उपलब्ध है। दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं का सवाल इसलिए महज चिकित्सा व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समानता, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा से जुड़ा प्रश्न है।

सामान्य बीमारी, गंभीर रूप देश के अनेक ग्रामीण, वनांचल और दुर्गम क्षेत्रों में आज भी अस्पताल तक पहुंचना अपने आप में एक चुनौती है। लंबी दूरी, खराब परिवहन व्यवस्था, चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की कमी, नियमित जांच सुविधाओं का अभाव और आवश्यक दवाइयों की अनुपलब्धता के कारण सामान्य बीमारी भी कई बार गंभीर रूप ले लेती है। गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर रोगियों के लिए यह चुनौती और अधिक कठिन हो जाती है।

उपचार केंद्रों का मजबूत नेटवर्क



स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण आवश्यक है, लेकिन केवल भवन बना देना पर्याप्त नहीं। वहां चिकित्सक हों, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों हों, दवाइयां उपलब्ध हों, जांच की सुविधा हो और आपातकालीन स्थिति में मरीज को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था हो तभी स्वास्थ्य व्यवस्था को प्रभावी कहा जा सकता है। दूरस्थ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए

पारंपरिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ मोबाइल मेडिकल युनिट, टेलीमेडिसिन, नियमित स्वास्थ्य शिविर और प्राथमिक उपचार केंद्रों का नेटवर्क मजबूत करना समय की आवश्यकता है। स्थानीय युवाओं को स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित करने से स्वास्थ्य सेवाओं को गांव की चौखट तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

रोकथाम और जागरूकता

इसके साथ ही स्वास्थ्य का अर्थ केवल बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि रोकथाम और जागरूकता भी है। पोषण, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संक्रामक रोगों की रोकथाम और स्थानीय स्तर पर प्रचलित स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता को स्वास्थ्य नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

उपचार की गुणवत्ता महत्वपूर्ण

दूरस्थ अंचलों के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था बनाते समय स्थानीय समाज की भाषा, संस्कृति और जीवनशैली को भी समझना होगा। स्वास्थ्य सेवाओं में संवेदनशीलता और सम्मान का भाव उपचार की गुणवत्ता जितना ही महत्वपूर्ण है। आज आवश्यकता इस सोच को बदलने की है कि मरीज अस्पताल तक पहुंचे। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि स्वास्थ्य सेवा मरीज तक पहुंचे। तकनीक, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और स्थानीय सहभागिता के माध्यम से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और न्याय मुक्त

अंततः किसी गांव की भौगोलिक दूरी उसके नागरिक के अधिकारों की दूरी नहीं होनी चाहिए। शहर और दूरस्थ अंचल के नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा का समान अधिकार है। जिसकी आज निहायत जरूरत है, जिसे हहल में पूरा करने की जिम्मेदारी जिम्मेदारों को निभानी पड़ेगी। मौलिकता में केवल स्वास्थ्य, शिक्षा और न्याय हर नागरिक को मुफ्त में मुहैया होनी चाहिए। बेहतर विकास तभी संभव है, जब उसकी पहली किरण अंतिम व्यक्ति के जीवन और स्वास्थ्य तक पहुंचे।

चीनी महँगी-डायबिटीज के खिलाफ संयुक्त अभियान

चीन के दाम बढ़ते ही देश में मातम जैसा माहौल बन गया है। आम आदमी परेशान है कि अब चाय में चीनी डाले या बच्चों की फीस जमा करे। लेकिन इस

पूरे घटनाक्रम को आम आदमी की नजर से देखना भी एक तरह की नादानी है। असली फायदा तो कारोबारियों और सरकार ने

मिलकर देश के उन लाखों डायबिटीज मरीजों को दिया है, जो वर्षों से डॉक्टरों की एक ही सलाह सुन-सुनकर ऊब चुके थे—चीनी कम कर दीजिए।

डॉक्टरों ने बरसों तक समझाया कि चीनी से दूरी बनाइए। मरीज मुस्कुराकर कहते थे, डॉक्टर साहब, जिंदगी में मिठाई भी तो जरूरी है। डॉक्टर बेचारे अपनी किताबें बंद कर देते थे। उन्हें क्या पता था कि जिस काम के लिए वे वर्षों से परामर्श दे रहे हैं, वह काम बाजार कुछ ही दिनों में कर देगा। अब चीनी इतनी महँगी हो रही है कि चाय में दो चम्मच डालने से पहले आदमी बैंक बैलेंस देखने लगा है। पहले लोग चाय में चीनी स्वाद के लिए डालते थे, अब कीमत देखकर चम्मच अपने आप रुक जाता है। घर की गुहिली कहती है—अजी सुनिए, आज चाय फीकी है। पति जवाब देता है—फीकी नहीं, जनेमन स्वास्थ्यवर्क है।

सरकार भी शायद यही चाहती है कि देश स्वस्थ रहे। स्वास्थ्य सुधार की ऐसी योजनाएं किताबों में कहीं मिलती हैं! चीनी महँगी कर दो, मिठाई अपने आप कम हो जाएगी। मिठाई कम होगी तो वजन कम होगा। वजन कम होगा तो डॉक्टर के पास जाने की जरूरत कम होगी। डॉक्टर के पास जाना कम होगा तो स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव कम होगा। यानी चीनी महँगी करना वास्तव में एक बहुआयामी स्वास्थ्य योजना है।

कारोबारियों ने भी इस महान अभियान में अपना योगदान दिया है। वे कह रहे हैं—हम तो बाजार की मजबूरी में दाम बढ़ा रहे हैं। जनता पछुती है—लेकिन मजबूरी हर बार हमारी ही क्यों होती है?



व्यापारी मुस्कुराकर कहते हैं—क्योंकि ग्राहक आप हैं।

अब स्थिति यह है कि शादी-ब्याह में मिठाई का डिब्बा देने से पहले लोग उसे ऐसे देखते हैं, जैसे कोई कीमती सामान खरीद रहे हों। रिश्तेदार पूछते हैं—कितनी मिठाई भेजी? जवाब आता है—भाई, भाव देखे हैं? आधा किलो में ही रिश्तेदारी निभा दी। हलवाई भी परेशान नहीं, बल्कि बेहद गंभीर दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने मिठाई की प्लेट छोटी कर दी है। रसगुल्ला वही है, लेकिन आकार देखकर लगता है जैसे बचपन की कंचे खेलने वाली कोई सुपनी याद हो। जलेबी की एक-दो लड्डी देखकर ग्राहक सोचता है कि यह मिठाई है या उसका ट्रेलर। उधर डायबिटीज के मरीजों में एक नई खुशी है। अब उन्हें जब कोई मिठाई खिलाने की जिद करेगा तो वे बड़ी शालीनता से कह सकेंगे—नहीं भाई, डॉक्टर ने मना

किया है। सामने वाला भी चीनी के भाव याद करके तुरंत कहना—हाँ-हाँ, बिस्कुल मत खाना। वैसे भी बहुत महँगी है। सबसे ज्यादा फायदा उन लोगों को हुआ है जो वर्षों से कहते थे कि मीठा छोड़ना बहुत मुश्किल है। अब मुश्किल नहीं रही। इस निराली स्वास्थ्य योजना ने वह काम कर दिया जो इच्छाशक्ति नहीं कर पाई।

कहते हैं कि महँगी जनता के लिए अभिशाप होती है, लेकिन हमारे यहाँ हर अभिशाप में कोई न कोई लाभकारी नीति छिपी होती है। पेट्रोल महँगा हो तो पैदल चलिए, सब्जी महँगी हो तो कम खाएँ, बिजली महँगी हो तो अँधेरे में प्रकृति का आनंद लीजिए और चीनी महँगी हो तो स्वास्थ्य का।

इसलिए देशवासियों, परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। चीनी के दाम बढ़े हैं तो इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान समझिए। चाय फीकी होगी, मिठाई कम होगी, जेब हल्की होगी—लेकिन सरकार और बाजार की नजर में आपका स्वास्थ्य उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रहा होगा। और अगर कोई पूछे कि चीनी इतनी महँगी क्यों हुई?

तो मुस्कुराकर कहिए—भाई साहब, यह महँगाई नहीं, डायबिटीज के खिलाफ सरकारी-व्यापारी संयुक्त अभियान है। बस फर्क इतना है कि अभियान का खर्च हमेशा मरीज यानी जनता ही उठाती है! इसे कहते हैं यह कष्ट बड़ा ही स्पष्ट है।

लापता बेटी की तलाश में सिर्फ पुलिस नहीं, पूरा समाज चाहिए

प्रो. आरके जैन अरिजीत, बड़वानी, मध्यप्रदेश

बेटियाँ कहीं हैं? असली

गुमशुदगी तो

हमारी व्यवस्था की है...

लापता बच्चों की सूची लंबी

होती जा रही है,

हमारी संवेदना छोटी

किसी बच्चे के लापता होने की खबर को हम अक्सर एक छोटे-से पुलिस केस की तरह पढ़ते हैं—नाम, उम्र, पता और थाना। लेकिन बच्चा घर से ओझल होता है, तो केवल एक जीवन नहीं, पूरा भविष्य अंधेरे में चला जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2024 रिपोर्ट में दर्ज 98,375 लापता बच्चों का आँकड़ा इसी त्रासदी का आईना है। इनमें 75,603 लड़कियाँ, 22,768 लड़के और चार ट्रांसजेंडर बच्चे हैं। यानी 76.8 प्रतिशत लापता बच्चे लड़कियाँ हैं। 2023 के 91,296 के मुकाबले यह संख्या 7.8 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वर्षों के अन्र्देश बच्चों को जोड़ें तो आँकड़ा

1,47,175 तक पहुँच जाता है। पश्चिम बंगाल 27,742 मामलों के साथ सबसे ऊपर है। ये महज संख्याएँ नहीं, उतने ही घरों की बुझती उम्मीदें हैं। सवाल यह नहीं कि लड़कियाँ इतनी अधिक कायब क्यों होती हैं, असली सवाल है कि समाज ने ऐसी स्थितियाँ क्यों बना रखी हैं, जिनमें किसी लड़की का गायब होना आसान है। घरेलू काम के नाम पर गाँव से शहर, रोजगार के बहाने दूसरे प्रदेश, विवाह के झोंसे में अनजान घर और बेहतर भविष्य के लालच में तस्करी—रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही। पश्चिम बंगाल में 2024 के 15,849 लापता बच्चों में लड़कियों की हिस्सेदारी बहुत अधिक रही। गरीबी जब परिवार की मुट्ठी कसती है, तो दलाल का झूठ भी रोजगार का भरसा लगता है। बेटी को सुरक्षित भविष्य देने की चाह कई बार उसे असुरक्षित दुनिया के हवाले कर देती है।

आँकड़ों से बड़ा सवाल उनकी विश्वसनीयता का है। 2024 में 98,826 बच्चों को ट्रेस या रिकवर किए जाने की सूचना है, फिर भी पिछले वर्षों के करीब 48,350 बच्चे अन्र्देश हैं। तलाश खतम नहीं हुई, सिर्फ रजिस्टर

का पन्ना पलटा है। कुछ राज्यों में लापता बच्चों की संख्या शून्य या बेहद कम होना सवाल खड़े करता है। क्या हर परिवार थाने पहुँचता है? क्या हर शिकायत को बराबर गंभीरता मिलती है? क्या गरीब, ग्रामीण और हाशिए के परिवारों की आवाज उतनी जल्दी सुनी जाती है? पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और ओडिशा के लगातार उँचे आँकड़े बताते हैं कि यह एक प्रदेश नहीं, पूरे तंत्र की समस्या है। यह उस व्यवस्था की परीक्षा है, जो बच्चे के गायब होने पर जागती है, पहले नहीं।

लड़की के लापता होने की कहानी को केवल अपराध मानना अधूरा होगा; इसके पीछे अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र भी है। जिस घर में दो बच्चे की रोटी का हिसाब रोज बदलता हो, वहाँ शहर में नौकरी का वादा चमत्कार से कम नहीं लगता। शिक्षा से बाहर हुई लड़की आसान लक्ष्य बन जाती है, क्योंकि उसके पास अवसर कम और निर्भरता अधिक होती है। पितृसत्तात्मक सोच—जिसमें बेटी को आज भी कई घरों में 'पराया धन' समझा जाता है—उसकी सुरक्षा को भी दायम दर्जा देती

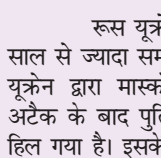
है। पलायन, बेरोजगारी, अशिक्षा और अवसरों की कमी वह अंधेरा रचते हैं, जिसमें तस्करी फलती है। 16 से 18 वर्ष की किशोरियाँ विशेष रूप से इसकी चपेट में आती हैं।

कानून, पुलिस व्यवस्था, हेल्पलाइन और पुनर्वास संस्थाएँ हैं; फिर भी लड़की के गायब होने और सुरक्षित लौटने के बीच लंबी सुरंग है। घरेलू काम में लगाई गई बर्चियाँ चार दीवारों में अदृश्य हो जाती हैं। उनके पास दस्तावेज, नियमित संपर्क और बाहर की दुनिया तक पहुँच नहीं होती। तस्करी के कई मामले 'लापता' के खतों में दबे रहते हैं। 67 प्रतिशत रिकवरी रेट उपलब्धि दिख सकता है, लेकिन हर बरामदगी के साथ पूछना जरूरी है कि बच्ची किस हालत में मिली, उसका पुनर्वास कैसे हुआ और क्या वह फिर उसी खतरे में लौटी। आँकड़ा मिलने से जीवन वापस नहीं मिलता; जीवन तब लौटता है, जब सुरक्षा, सम्मान और भविष्य भी लौटे।

सबसे खतरनाक स्थिति तब होगी, जब समाज इन संख्याओं का आदी हो जाए। 98,375 लापता बच्चों में 75,603 लड़कियाँ—यानी हर चार लापता बच्चों में तीन लड़कियाँ। इतनी बड़ी असमानता संयोग नहीं, हमारे सामाजिक ढाँचे की भाषा है। गाँव में लड़की गायब होती है तो खबर ठंडी पड़ जाती है। अखबार का कॉलम बदलता है, पुलिस की फाइल मोटी होती जाती है और परिवार की तारीखें नहीं बदलती, सिर्फ उम्मीद की उम्र बढ़ती जाती है। जब तक लड़की की सुरक्षा परिवार की जिम्मेदारी और उसकी गुमशुदगी निजी दुख मानी जाएगी, तब तक राष्ट्रीय आँकड़ों में छिपा संकट हमारी सामूहिक चेतना से बाहर रहेगा।

तकरी रोकने का रास्ता केवल पुलिस या प्राथमिकी से नहीं निकलता। सुरक्षा की पहली चौकी स्कूल है, दूसरी संघायत, तीसरी परिवार और फिर पुलिस। हर लापता बच्चे के मामले को प्राथमिकता मिले, डेटा राज्यों और जिलों तक पारदर्शी हो, काम रिपोर्टिंग की स्वतंत्र जाँच हो और स्कूल छोड़ चुकी किशोरियों की निगरानी बने। घरेलू काम के लिए बच्चों को ले जाने वाले नेटवर्क पर कठोर कार्रवाई के साथ सुरक्षित रोजगार, कौशल और शिक्षा के रास्ते खोलने होंगे।

रूस चीन और उत्तर कोरिया की, अमेरिका के खिलाफ न्यूक्लियर साझेदारी



संजीव ठाकुर
रायपुर, छत्तीसगढ़

रूस यूक्रेन युद्ध को चार साल से ज्यादा समय हो चुका है, यह युक्रेन द्वारा मास्को में बड़े झेन अटैक के बाद पुतिन प्रशासन पूरा हिल गया है। इसके अलावा यूक्रेन

मिसाइल से रूसी युद्धपोत पर हमले से रूस की सेना घबरा गई है। इतने दिनों के युद्ध के बाद भी यूक्रेन युद्ध

से पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं है और अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया तथा अन्य देशों की सामरिक मदद से यूक्रेन और बलशाली हो गया है वह लगातार काउंटर अटैक यूरोप की सेना पर कर रहा है। रूसी सेना यूक्रेन के सामने कई मोर्चों में कमजोर दिखाई देने लगी है। इसमें दोमत नहीं के रूस ने यूक्रेन को कमतर आंक कर बहुत बड़ी भूल की है यूक्रेन लगातार युद्ध में डटा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय न्यू एजेंसी के अनुसार रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच पूरी दुनिया के सामने कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिससे न केवल अमेरिका की मुश्किलें बढ़ा दी हैं बल्कि सभी पश्चिमी देशों को गहन चिंता में डाल दिया है। उत्तर कोरिया के विक्ट्री डे उत्सव मनाने के दौरान रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और चीन की महत्वपूर्ण कम्प्यूटिस्ट पार्टी के सीनियर सदस्य ली होंग जोंग मौजूद नजर आए। यह

तो तय है कि पुतिन, शी जिनपिंग और किम योंग के बीच अमेरिका तथा यूक्रेन के खिलाफ नई खिचड़ी पक रही है। तीनों के बीच नई न्यूक्लियर साझेदारी गुप्त रूप से की गई है जो निसंदेह अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

एजेंसियों द्वारा बताया गया कि उत्तरी कोरिया के अधिकारी भवन में वहाँ के तात्साहा किम के साथ पुतिन के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इसके अलावा इस नॉर्थ कोरिया के विजय दिवस पर मिसाइल का परीक्षण भी किया गया एवं पुतिन के दाया हाथ माने जाने वाले रक्षा मंत्री सर्गेई यद्वा चीन के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि ली होंग जोंग की मौजूदगी यूक्रेन तथा अमेरिका के खिलाफ परमाणु संधि को परिणाम देती नजर आ रही है और यह गुप्त संधि अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के खिलाफ परमाणु युद्ध एक एक बड़ी चेतावनी भी है। इसी तरह रूस भी एकदम से रूस को युद्ध के साथ ही बचाने के लिए युद्ध के साथ इस युद्ध में बर्बाद हो चुका है और हजारों सैनिकों की बलि चढ़ा चुका है। इसी तरह रूस भी अब ठोस रूप के नुकसान पर खड़ा है एवं उसके भी हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं। पूरे विश्व में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो आगे बढ़कर रूस यूक्रेन युद्ध को रोककर विश्व को शांति का संदेश दे सकता है—अन्यथा यदि चीन रूस और नॉर्थ कोरिया यूक्रेन तथा अमेरिका और पश्चिमी देशों के खिलाफ न्यूक्लियर हमला करता है तो विश्व युद्ध होने की संभावना है बलवती हो जाती है और अंतर्राष्ट्रीय शांति को बड़ा खतरा हो सकता है।



दुश्मन के तौर पर होती है। रूस की योजना के अनुसार रूस, चीन और नॉर्थ कोरिया यूक्रेन के खिलाफ जंग में अमेरिका के खिलाफ भी एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है की तीनों परमाणु शक्ति संपन्न देश अमेरिका द्वारा यूक्रेन को मदद करने कि प्रतिक्रिया के फल स्वरूप यूक्रेन तथा अमेरिका पर कभी भी परमाणु आक्रमण कर सकते हैं। इसकी वजह एकदम साफ है की जब यूक्रेन ने मास्को में एक के बाद एक कई झेन अटैक करके राजधानी में हड़कण मचा दिया है। इससे यह साफ नजर आता है की रूस की खुफिया एजेंसियों कि यह बड़ी असफलता ही है इसके अलावा मास्को की सुरक्षा के लिए लगाए गए डिफेंस सिस्टम भी इस आक्रमण के खिलाफ कुछ नहीं कर सके थे। अब यह वैश्विक स्तर पर माना जाने लगा है की यूक्रेन की हिममत के सामने रूस की ताकत बहुत कमजोर पड़ती नजर आ रही है। डेढ़ साल के रूस यूक्रेन युद्ध में रूस की अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर पड़ गई है। उसका आवश्यक वस्तुओं का निर्यात, उत्पादन एकदम कम हो गया है। अमेरिका तथा नाटो देशों ने रूस के निर्यात तथा विदेशी आर्थिक नीतियों पर कड़े नियंत्रण तथा विरोध के कारण अब रूस की जीडीपी काफी नीचे आ गई है। रूस में वैगन रूप द्वारा विद्रोह न्यूक्लियर जाने के फल स्वरूप भी वैश्विक स्तर पर रूस के खिलाफ एक बड़ा संदेश दिया गया है कि पुतिन अपनी सेनाओं तथा नागरिकों पर नियंत्रण करने में धीरे-धीरे असफल हो रहे हैं और यही कारण है कि रूस अमेरिका यूक्रेन तथा पश्चिमी देशों के खिलाफ अपने मित्र की ताकत की खोज में नॉर्थ कोरिया और चीन की तरफ काफी आशा रखी निगाहों से देख रहा है। रूस ने इस कल्पना के साथ की वह यूक्रेन को 1 माह के युद्ध में परास्त कर देगा युद्ध की शुरुआत की थी पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की और उसकी सेना के हौसले तथा अमेरिकी एवं नाटो देशों के आर्थिक सामरिक सहयोग से यूक्रेन पूरी ताकत तथा हौसले के साथ इस युद्ध का सामना किया है। यह अलग बात है कि यूक्रेन पूरी तरह इस युद्ध में बर्बाद हो चुका है और हजारों सैनिकों की बलि चढ़ा चुका है। इसी तरह रूस भी अब ठोस रूप के नुकसान पर खड़ा है एवं उसके भी हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं। पूरे विश्व में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो आगे बढ़कर रूस यूक्रेन युद्ध को रोककर विश्व को शांति का संदेश दे सकता है—अन्यथा यदि चीन रूस और नॉर्थ कोरिया यूक्रेन तथा अमेरिका और पश्चिमी देशों के खिलाफ न्यूक्लियर हमला करता है तो विश्व युद्ध होने की संभावना है बलवती हो जाती है और अंतर्राष्ट्रीय शांति को बड़ा खतरा हो सकता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटीक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यूक्लियर के अधीन होगा।

सम्पादक

बुखार में मासूम को लगाया इंजेक्शन बिगड़ी तबीयत, 3 साल के बच्चे की मौत झोलाछाप डॉक्टर जेल भेजा...

बलरामपुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। जिले के सरनाडीह में इलाज के नाम पर कथित झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से तीन साल के मासूम की मौत का मामला सामने आया है। बुखार से पीड़ित बच्चे को इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही बच्चे ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

बुखार होने पर इलाज कराने पहुंचे थे परिजन : पुलिस के अनुसार 19 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे रमेश चेरवा अपने तीन वर्षीय पुत्र अमी चेरवा को बुखार होने पर सरनाडीह निवासी बालेश्वर सिंह (51) के पास लेकर गया था। पुलिस का आरोप है कि बालेश्वर सिंह ने बच्चे को TaXim 250 mg (Cefotaxime Sodium) का इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगाने के बाद बच्चे की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजन तत्काल उसे जिला अस्पताल बलरामपुर ले जाने के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही मासूम की मौत हो गई।

मर्ग कायम कर शुरू की जांच : घटना की सूचना मिलने के बाद बलरामपुर थाना पुलिस ने मर्ग क्रमांक 63/2026 कायम कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए। पृष्ठछाछ में आरोपी से इलाज और इंजेक्शन लगाए जाने के संबंध में जानकारी ली गई। पुलिस के मुताबिक पृष्ठछाछ में आरोपी ने इंजेक्शन लगाने की बात स्वीकार की। घटना में इस्तेमाल दवा और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है।

डिग्री-पंजीयन नहीं होने का आरोप : पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के पास चिकित्सीय कार्य करने के लिए आवश्यक वैध डिग्री, पात्रता या पंजीयन नहीं था। इसके बावजूद वह लोगों का इलाज कर रहा था और इंजेक्शन लगा रहा था। पुलिस ने इसी आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

सांप के डसने से किसान की मौत

अम्बिकापुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। भटगांव थाना क्षेत्र के बरपाग निवासी एक व्यक्ति की सांप के डसने से इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना 20 अगस्त की सुबह की है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अम्बिकापुर के मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ 21 अगस्त की शाम इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। चुन्नीलाल सोनी 20 अगस्त को सुबह करीब 4 बजे उत्तर घर से बाहर टहलने जा रहे थे। घर के आंगन के पास पहुंचते ही उन्होंने शोर मचाकर बताया कि उन्हें सांप ने डस लिया है। परिजनों ने देखा तो दाहिने पैर की बीच वाली उंगली में सांप के डसने का निशान था। पृष्ठने पर पिता ने परिजनों को बताया कि उन्हें डंडा करत सांप ने डसा है। इसके बाद परिजन तत्काल उन्हें शासकीय अस्पताल भटगांव लेकर पहुंचे। वहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए अम्बिकापुर ले जाने की सलाह दी। परिजन उन्हें अम्बिकापुर के मिशन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहाँ उनका इलाज चल रहा था। 21 अगस्त को शाम डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

देवसर वाली मां भवानी का मंगल पाट एवं सिंधारा उत्सव मनाया

अम्बिकापुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। देवसर वाली मां भवानी का सिंधारा उत्सव, झुला उत्सव एवं संगीतमय मंगल पाट शुरुवात को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने भजनों के साथ संगीतमय मंगल पाट किया। भजनों की स्वर लहरियों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सिंधारा उत्सव के अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को उपहार भेंट किए और परिवार एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद माता को झुला झुलाया गया और केक काटकर उत्सव मनाया गया।

सेवारी में ट्रक-पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत...3 मजदूरों की मौत, 8 घायल

राजपुर-कुसमी मार्ग पर रात 2 बजे हुआ हादसा, पिकअप में चालक समेत 11 लोग थे सवार, दो गंभीर घायलों को रायपुर किया रेफर

राजपुर/बलरामपुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

राजपुर-कुसमी मार्ग पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार बक्सिड ट्रक और मजदूरों से भरी पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। ग्राम सेवारी हाई स्कूल के पास रात करीब 2 बजे हुए इस भीषण हादसे में पिकअप सवार तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत आठ लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

प्रतापपुर से शंकरगढ़ जा रहे थे मजदूर : राजपुर थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह के मुताबिक पिकअप में चालक समेत 11 मजदूर सवार थे। सभी प्रतापपुर क्षेत्र से शंकरगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सेवारी हाई स्कूल के पास सामने से आ रहे बक्सिड से लदे ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

तीनों मृतक सूजपुर जिले के : हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान सूजपुर जिले के चंदौर थाना क्षेत्र के ग्राम नरीला (चौकी रेवटी) निवासी रनसाय गोंड (34), उदय कुमार गोंड (25) और अमर साय गोंड (35) के रूप में हुई है।



चालक समेत 8 घायल

दुर्घटना में पिकअप चालक अनू कुजूर (58) के अलावा देव कुमार मखवी, भानु प्रताप, प्रेम साह, अजय कुमार, लक्ष्मण कुमार, प्रदीप और राम सिंह घायल हुए हैं। हादसे के बाद घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद सभी को मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर रेफर किया गया। अम्बिकापुर में इलाज के दौरान भानु प्रताप और अजय कुमार की हालत गंभीर होने पर दोनों को रायपुर रेफर कर दिया गया। वहीं पिकअप चालक अनू कुजूर का इलाज राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

मर्ग कायम कर जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। तीनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की चौरखर में रखे गए हैं। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

सरहरी स्कूल में 'परीक्षा पे फोकस' क्विज शुरू



अम्बिकापुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम के उद्देश्य से छह माह की साप्ताहिक क्विज प्रतियोगिता 'परीक्षा पे फोकस 2027' शुरू की गई है। प्रतियोगिता अगस्त से जनवरी तक प्रत्येक शनिवार को आयोजित होगी। कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को रामानुज, हरिश्चंद्र परसाई, आर्यभट्ट, महर्षि वेद वेदांगी और सोनी रमन गुप्त में बांटा गया है। वहीं कक्षा 12वीं के लिए प्रेमचंद, सरोजिनी नायडू, अरस्तु और कोटिल्य गुप्त बनाए गए हैं।

प्रतियोगिता में वर्ष 2020 से 2026 तक बोर्ड परीक्षाओं में पूरे गए वस्तुनिष्ठ एवं विवर्णतात्मक प्रश्न शामिल किए जा रहे हैं। 22 अगस्त को हुई प्रतियोगिता में कक्षा 12वीं के कोटिल्य गुप्त और कक्षा 10वीं के रामानुज गुप्त ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता प्राचार्य दिलीप तिवारी के मार्गदर्शन में संयोजक अजय कुमार चतुर्वेदी और सह-संयोजक विजय भारती के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है। जनवरी में ग्रैंड फ़िनाले होगा, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

फावड़े से बहू पर जानलेवा हमला...आरोपी ससुर को 10 साल की कठोर सजा खेती-बाड़ी की बात पर किया था हमला, सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गई थी अनिता, 15 गवाह और 35 साक्ष्यों ने पहुंचाया आरोपी को जेल

अम्बिकापुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

खेती-बाड़ी को लेकर हुए विवाद में बहू पर फावड़े से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी ससुर को अदालत ने 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अम्बिकापुर की अदालत ने 21 अगस्त 2026 को मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी परेवा राम उर्फ प्रेमा राम (60), निवासी गेरसा महुआपारा, थाना लुण्डा को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपी पर 1000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड नहीं देने पर तीन माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

सिर पर फावड़े से किया था वार : मामला लुण्डा थाना क्षेत्र के ग्राम गेरसा महुआपारा का है। घटना 14 जुलाई 2025 को दोपहर करीब 12 बजे हुई थी। पुलिस के अनुसार खेती-बाड़ी की बात को लेकर आरोपी परेवा राम ने अपनी बहू अनिता कुजूर पर फावड़े से



हमला कर दिया था। सिर के पीछे गंभीर चोट लगने से खून बहने लगा और अनिता जमीन पर बेहोश हो गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने पुलिस टीम को बारीकी से जांच कर साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए थे।

आरोपी के कब्जे से फावड़ा बरामद : विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी को पकड़कर पृष्ठछाछ की। पुलिस के मुताबिक आरोपी के मेमोरेण्डम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा (कोड़ी) बरामद किया गया। घटनास्थल से आहत

अपराध समीक्षा बैठक में एसपी के सख्त निर्देश लंबित मामलों का जल्द करें निराकरण साइबर अपराध पर बढ़ाएं जागरूकता



अपराध समीक्षा बैठक में एसपी के सख्त निर्देश

बलरामपुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक वैभव बैकर ने जिला स्तरीय अपराध समीक्षा बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के साथ अपराध नियंत्रण को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, लंबित अपराधों, शिकायतों और आगामी अपराध नियंत्रण रणनीति की समीक्षा की गई। एसपी ने एक वर्ष से अधिक समय से लंबित गंभीर अपराधों के साथ चीटफंड, धोखाधड़ी और लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एनडीपीएस मामलों की समीक्षा करते हुए नशे के कारोबार के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच करने के निर्देश दिए गए। नशे के कारोबार में इस्तेमाल होने वाले आर्थिक नेटवर्क की जांच के लिए फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर जोर दिया गया। जब्त वाहनों के राजसात की कार्रवाई भी तेजी से करने को कहा गया। 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चल रहे साइबर जागृति अभियान के तहत आम लोगों को साइबर अपराध के नए तरीकों की जानकारी देने पर जोर दिया गया। बैठक में मूल अकाउंट, फेक APK, OTP फ्राड और सोशल इंजीनियरिंग जैसे साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। महिला अपराध और पॉक्सो एक्ट के मामलों की जांच प्राथमिकता से पूरी कर त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुप्तदूत बच्चों की तलाश, बरामदगी और पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

कंपनसेशन स्कीम के तहत उचित प्रतिकार दिए जाने की अनुरक्षा भी की है। अदालत ने माना कि केवल 1000 रुपये के अर्थदंड से पीड़ितों को पर्याप्त प्रतिकार उपलब्ध नहीं होगा।

विवेक को पुरस्कार देने की घोषणा

फैसले को पुलिस की प्रभावी विवेचना और वैज्ञानिक तरीके से जुटाए गए साक्ष्यों की सफलता बताया गया है। सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा ने विवेक एसएसआई एसआर साहू और विवेचना में सहयोग करने वाले लुण्डा थाना स्टाफ के उत्साहवर्धन के लिए उचित पारितोषिक देने की घोषणा की है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने न्यायालय के फैसले को महत्वपूर्ण बताते हुए विवेक एसआर साहू की उच्च व्यावसायिक दक्षता और उत्कृष्ट विवेचना की प्रशंसा की।

एक करोड़ की ज्वेलरी उठाईगिरी में ओडिशा से आरोपी गिरफ्तार

सीतापुर के ज्वेलर्स से बैग लेकर भागे थे चार बदमाश, 43 लाख के सोने और 3 लाख की चांदी के आभूषण पहले ही बरामद, आरोपी से 10 हजार रुपये नकद जब्त

अम्बिकापुर/सीतापुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर में ज्वेलर्स कारोबारी से करीब एक करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण से भरा बैग पार करने वाले गिरोह के एक आरोपी को सरगुजा पुलिस ने ओडिशा के गंजाम जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दास नागेश्वर (45), निवासी नारायणपुर, थाना आस्का, जिला गंजाम, ओडिशा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 10 हजार रुपये नकद जब्त किए हैं। मामले में पूर्व में एक आरोपी के घर से करीब 46 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए जा चुके हैं।



स्कूटी से बैग उठाकर भागे थे : घटना 26 जुलाई 2026 की है। सीतापुर निवासी अरुणदेव सोनी ने पुलिस को बताया था कि हाईस्कूल सीतापुर के पास उनकी काशी विरचनाथ ज्वेलर्स दुकान है। सुबह करीब 11:30 बजे वे स्कूटी में ज्वेलरी का बैग रखकर दुकान खोलने पहुंचे थे। स्कूटी के पास बैग रखकर शटर खोलने के दौरान अज्ञात व्यक्ति बैग उठाकर फरार हो गया। बैग में करीब एक करोड़ रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण थे। रिपोर्ट पर सीतापुर थाने में अपराध क्रमांक 296/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले : मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के मार्गदर्शन और डीआईजी/एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में साइबर सेल और सीतापुर पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल और संभावित मार्गों के करीब 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार संदिग्ध बैग लेकर भागते दिखाई दिए। पुलिस ने सीसीटीवी के जरिए उनका रुट ट्रेस करते हुए सरगुजा के गेरसा से लेकर जशपुर के

कांसाबेल, कुनकुरी, सिंगीबहार, झारखंड के कुरड़ा, खैरतली, सिमडेगा और ओडिशा के सुंदरगढ़ सहित कई स्थानों के फुटेज खंगाले। ओडिशा में 10 दिन चला सर्च ऑपरेशन : तकनीकी विश्लेषण और अलग-अलग राज्यों की पुलिस से समन्वय के बाद संदिग्धों की पहचान चंदी दास निवासी सोर्डा, गंजाम और दास नागेश्वर निवासी नारायणपुर, गंजाम के रूप में हुई। साइबर सेल और सीतापुर पुलिस की टीम ने ओडिशा पुलिस के सहयोग से आरोपियों के संभावित ठिकानों पर करीब 10 दिनों तक लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान चंदी दास के घर से करीब 300.92 ग्राम सोने के आभूषण, कीमत लगभग 43 लाख रुपये, तथा 1.168 किलो चांदी के आभूषण, कीमत करीब 3 लाख रुपये बरामद किए गए। बरामद आभूषणों की कुल कीमत करीब 46 लाख रुपये बताई गई है।

गंजाम से पकड़ा गया दूसरा आरोपी : लगातार दबिश के दौरान पुलिस ने गंजाम जिले से दास नागेश्वर को गिरफ्तार किया। पृष्ठछाछ में पुलिस के अनुसार आरोपी ने अन्य साथियों के साथ मिलकर संयोजित गिरोह बनाकर उठाईगिरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके बाद प्रकरण में धारा 111(2) और 3(5) बीएनएस जोड़ी गई।

आरोपी के कब्जे से 10 हजार रुपये नकद जब्त किए गए हैं।

पहले से दर्ज हैं तीन अपराध

पुलिस के अनुसार दास नागेश्वर का अपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। वर्ष 2021 में उसके खिलाफ ओडिशा के आस्का थाने में आबकारी एक्ट के तहत मामला, चिंडीपाड़ा थाने में चोरी का अपराध और लूट से संबंधित एक अन्य प्रकरण दर्ज पाया गया है। पुलिस ने उसे आदतन अपराधी प्रवृत्ति का बताया है।

तीन अन्य आरोपियों को तलाश जारी

मामले में शामिल अन्य आरोपी घटना के बाद से फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय के आधार पर फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी एसआई अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह, अनुज जायसवाल, अमन पुरी तथा सीतापुर थाने से एसआई डेविड मिंज, आरक्षक अरुण कुमार, आरक्षक निर्मल तिग्गा की सक्रिय भूमिका रही।

मेडिकल कॉलेज में माइक्रोस्कोपी तकनीक पर कार्यशाला...सटीक निदान के लिए आधुनिक ऑप्टिक्स, इमेजिंग और कंट्रास्ट तकनीक का दिया प्रशिक्षण

अम्बिकापुर, 22 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

राजभाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में शुक्रवार को 'माइक्रोस्कोप तकनीक ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप में नैदानिक सटीकता में वृद्धि' विषय पर हैड्रस-ऑन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में चिकित्सकों एवं मेडिकल विद्यार्थियों को आधुनिक माइक्रोस्कोपी तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण



दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अध्यक्ष डा. अविनाश मेश्राम और पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डा. आरसी आर्या उपस्थित रहे। एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डा. परमानंद अग्रवाल, बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डा. नीलमा कुमारी, फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष डा. मनीष गोयल, पीएसएम विभागाध्यक्ष डा. आभा एक्का और फॉरेंसिक मेडिसिन विभागाध्यक्ष डा. संजीव खन्ना भी मौजूद रहे। कार्यशाला में ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी के सिद्धांत, छवि निर्माण, जाइस ऑप्टिक्स, प्रकाश व्यवस्था एवं कंट्रास्ट अनुकूलन, डिजिटल इमेजिंग और दस्तावेजीकरण सहित

आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को जाइस माइक्रोस्कोप पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। पैथोलॉजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. मेराज फातिमा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यशाला का आयोजन वॉक्स लैब के सहयोग से किया गया। आयोजकों के अनुसार आधुनिक माइक्रोस्कोपी तकनीकों के उपयोग से चिकित्सकों को माइक्रोस्कोपी दक्षता और नैदानिक सटीकता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

आदिवासी डॉक्टर दंपती ने लगाया 65 लाख की कथित वित्तीय धोखाधड़ी,जातिगत अपमान और धमकी का आरोप

- शिकायत में 50 लाख रुपये और हर माह 5 लाख रुपये की कथित मांग का सनसनीखेज दावा...ऑडियो सीडी संलग्न करने की बात,आईजी और आज्ञाक थाने से एफआईआर की मांग
- केयर हॉस्पिटल विवाद ने पकड़ा तूल : डॉक्टर दंपती का आरोप...पहले भरोसा जीता,फिर अस्पताल के वित्तीय हिसाब-किताब में कथित गड़बड़ी,विरोध किया तो जातिसूचक गालियां और धमकी

—संवाददाता—
अम्बिकापुर,22 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

शहर के चौपड़ापारा स्थित केयर हॉस्पिटल से जुड़ा विवाद अब गंभीर आरोपों के साथ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच गया है। अनुसूचित जनजाति वर्ग से आने वाली डॉक्टर डॉ. दीपिका टोप्पो ने पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रंज तथा आज्ञाक थाना अम्बिकापुर में शिकायत आवेदन देकर दो व्यक्तियों के खिलाफ कथित तौर पर 65 लाख रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी,जातिगत अपमान,अभद्र गाली-गलौज,मोबाइल छीनकर पटकने,गोली मारने की धमकी तथा अस्पताल संचालित करने के एवज में कथित रूप से 50 लाख रुपये और प्रतिमाह 5 लाख रुपये की मांग किए जाने के आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने मामले में अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम सहित अन्य उपयुक्त धाराओं के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ कथित बातचीत की ऑडियो सीडी भी संलग्न किए जाने का उल्लेख किया गया है। हालांकि,आवेदन में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और पुलिस जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट होगी। समाचार में नामित व्यक्तियों का पक्ष भी सामने आना बाकी है।

दो साल पहले अस्पताल पहुंचे, फार्मासिस्ट बताकर काम करने का आरोप

डॉ. दीपिका टोप्पो द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार,करीब दो वर्ष पूर्व अनावेदक क्रमांक-1 सुशील कुमार राय,निवासी हॉलीक्रॉस रोड अम्बिकापुर,केयर हॉस्पिटल चौपड़ापारा में आया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सुशील कुमार राय ने स्वयं को फार्मासिस्ट बताते हुए अस्पताल में कार्य करना शुरू किया और धीरे-धीरे अस्पताल के वित्तीय लेखा-जोखा सहित अन्य कार्यों में भी विश्वास हासिल कर लिया। डॉक्टर दंपती का आरोप है कि इसी दौरान अस्पताल के खाते और वित्तीय दस्तावेजों से संबंधित कामकाज उसके भरोसे में आने लगा। बाद में अस्पताल के वित्तीय लेन-देन की जांच करने पर कथित रूप से करीब 65 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता/धोखाधड़ी का पता चलने का दावा शिकायत में किया गया है।

3 जुलाई को दस्तावेज और पासबुक मांगी तो विवाद का आरोप

शिकायत के अनुसार,जब 3 जुलाई 2026 को डॉ. दीपिका टोप्पो ने अस्पताल प्रबंधन से संबंधित दस्तावेज,पासबुक तथा अन्य आवश्यक रिकॉर्ड सुशील कुमार राय से मांगे, तब कथित रूप से विवाद की स्थिति निर्मित हुई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सुशील

65 लाख की धोखाधड़ी और जातिगत अपमान! न्याय की आस लगाए बैठ डॉक्टर दंपती

‘पैसे भी ठेगे, जातिगत अपमान भी किया’
—आदिवासी डॉक्टर दंपती के गंभीर आरोप

- डॉक्टर दंपती से 65 लाख रुपये की ठगी का आरोप
- साथ ही जातिगत गाली-गलौज और अपमान करने का भी लगाया आरोप
- न्याय के लिए पुलिस और प्रशासन के चक्कर काटने को मजबूर
- आदिवासी समाज में आक्रोश, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

ठगी और अपमान बढ़ाते नहीं, मिलेगा न्याय - यही है उम्मीद!



अस्पताल में स्टाफ और मरीजों के सामने अपमानित करने का आरोप

शिकायत में डॉ. दीपिका टोप्पो ने आरोप लगाया है कि कथित गाली-गलौज और अपमानजनक व्यवहार अस्पताल परिसर में ही हुआ,जहां स्टाफ और कुछ मरीज भी मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान उनका मोबाइल फोन भी छीनकर फर्श पर पटक दिया गया। डॉक्टर दंपती के अनुसार,इस घटना के बाद वे मानसिक रूप से परेशान और भयभीत हो गए। आवेदन में कहा गया है कि कथित रूप से दोनों अनावेदक अपनी पहुंच और प्रभाव का हवाला देकर लगातार डरते-धमकाते रहे।

‘क्या करें’ की स्थिति में पहुंचा परिवार,फिर पुलिस से शिकायत का दावा

आवेदन के अनुसार, कथित घटना के बाद डॉ. दीपिका टोप्पो ने अपने पति डॉ. अशोक टोप्पो और उनके पिता श्री एस.एल. टोप्पो के साथ मामले को लेकर चर्चा की। शिकायत में कहा गया है कि परिवार कथित धमकियों और विवाद के कारण भयभीत था और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या कदम उठाया जाए। बाद में हिम्मत जुटाकर डॉक्टर दंपती तथा परिवार की ओर से सिटी कोतवाली, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और आज्ञाक थाने में शिकायत आवेदन दिए जाने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

कुमार राय ने यह जानते हुए कि वह अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला है,कथित रूप से ऊंची आवाज में जातिसूचक एवं अत्यंत अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि उन्हें कथित रूप से ‘आदिवासी’ कहकर अपमानित किया गया तथा यह कहा गया कि वे अस्पताल के हिसाब-किताब के बारे में पढ़ने वाली कीन होती हैं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अस्पताल चलाने में अपनी ताकत और प्रभाव का हवाला देते हुए डॉक्टर दंपती को अस्पताल नहीं चलाने देने और मजदूरी-खेती करने की बात कही गई।

कोतवाली से लौटते समय कथित जातिगत अपमान और धमकी का आरोप : शिकायत में एक और गंभीर घटना का उल्लेख किया गया है। डॉ. दीपिका टोप्पो के अनुसार,उन्हे पति डॉ. अशोक टोप्पो दो दिन पूर्व कोतवाली से वापस लौट रहे थे, तभी अनावेदक क्रमांक-2 नवीन द्विवेदी,निवासी नमनाकला कृष्णनगर कॉलोनी,ने कथित रूप से उन्हें जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। शिकायत में आरोप है कि नवीन द्विवेदी ने कथित तौर पर कहा कि वे उनके खिलाफ कुछ नहीं कर सकते और यदि उन्हें अम्बिकापुर में अस्पताल चलाना है तो 50 लाख रुपये देने होंगे तथा प्रतिमाह 5 लाख रुपये देने पड़ेंगे। यह भी आरोप लगाया गया है कि उनके बैंकॉक दौरे से संबंधित कथित अश्लील वीडियो बनाए जाने और उसे मीडिया में खलकर बदनाम करने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस कथित धमकी के माध्यम से उन्हें मानसिक रूप से तोड़ने का प्रयास किया गया। इन आरोपों की भी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

4 अगस्त की कथित फोन बातचीत का ऑडियो भी देने का दावा : शिकायत में सुशील कुमार राय पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आवेदन के अनुसार,4 अगस्त 2026 को सुशील कुमार राय ने केयर हॉस्पिटल के कर्मचारी प्रकाश दास के मोबाइल फोन पर कथित रूप से फोन किया और डॉ. दीपिका टोप्पो के संबंध में अत्यंत अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कथित रूप से गोली मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने इस बातचीत की ऑडियो सीडी संलग्न किए जाने की बात कही है। अब पुलिस के सामने यह जांच करना महत्वपूर्ण होगा कि कथित ऑडियो वास्तविक है या नहीं, आवाज किसकी है,बातचीत कब और किस नंबर से हुई तथा उसमें कहीं गई बातों का

डेढ़ महीने से भय और अपमान में जीने का दावा

डॉ. दीपिका टोप्पो ने शिकायत में कहा है कि पिछले करीब एक से डेढ़ महीने से उनका परिवार कथित धमकियों,अपमान और मानसिक तनाव के बीच जीवन गुजारा रहा है। आवेदन में यहां तक कहा गया है कि शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों का सम्मान नहीं है और उनके लिए परिस्थितियां बेहद कठिन हैं। यह टिप्पणी मामले की गंभीरता के साथ-साथ शिकायतकर्ता के मानसिक तनाव को भी दर्शाती है।

‘ऊंची पहुंच और पावर’ का दावा—शिकायत में लगाए गए गंभीर आरोप

डॉक्टर दंपती ने शिकायत में दोनों अनावेदकों को कथित रूप से प्रभावशाली बताते हुए आरोप लगाया है कि वे अपनी ऊंची पहुंच और पावर का हवाला देकर उन्हें डराते रहे। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि अनावेदक क्रमांक-2 कई अस्पतालों से जुड़े पदों का हवाला देकर अस्पताल संचालकों के साथ कथित रूप से दबावपूर्ण व्यवहार करता है और अस्पताल संचालकों को मजबूर जैसा समझने का आरोप लगाया है। इन आरोपों की पुष्टि भी जांच के बाद ही संभव होगी।

सबसे बड़ा सवाल : 65 लाख का हिसाब कहाँ है?

इस पूरे विवाद का एक अहम हिस्सा कथित 65 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता है। यदि वास्तव में अस्पताल के खाते से बिना अनुमति इतनी बड़ी रकम निकाली गई है तो बैंक स्टेटमेंट,चेक, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन,पासबुक, अकाउंटिंग रिकॉर्ड,बिल-वाउचर और डिजिटल ट्रांजेक्शन की जांच से सच्चाई सामने आ सकती है। और यदि 65 लाख रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी का आरोप ही गलत है तो वह भी जांच में स्पष्ट हो सकता है। ऐसे में सवाल यह नहीं कि आरोप किसने लगाया और किसके खिलाफ लगाया। असली सवाल है—पैसा कहाँ गया? किस खाते में गया? किसके निदेश पर गया? और किसने निकाला?

वास्तविक संदर्भ क्या था।

जातिगत अपमान का आरोप भी कम गंभीर नहीं : मामले का दूसरा और संवेदनशील पहलू कथित जातिगत अपमान है। यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि डॉक्टर दंपती को उनकी अनुसूचित जनजाति की पहचान के आधार पर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया,जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल हुआ या धमकी दी गई, तो मामला गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत जांच का विषय बन सकता है। लेकिन यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते तो निष्पक्ष जांच के बाद पुलिस को यह बात भी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करनी चाहिए। क्योंकि कानून में शिकायतकर्ता को न्याय मिलना जरूरी है, लेकिन शिकायत में नामित व्यक्ति के साथ भी निष्पक्षता उतनी ही जरूरी है।

पुलिस प्रशासन के सामने अब कई सौधे सवाल

- इस शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।
- क्या शिकायत पर एफआईआर दर्ज होगी?
- क्या कथित 65 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता की जांच होगी?
- क्या अस्पताल के बैंक खातों और वित्तीय दस्तावेजों की जांच की जाएगी?
- क्या 3 जुलाई की कथित घटना में मौजूद स्टाफ और मरीजों के बयान लिए जाएंगे?

पक्ष रखने और जांच में अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

व्यंग्य का सवाल : कानून की किताब में ‘पहुंच’ नाम की कोई धारा है क्या?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प और चिंताजनक पहलू शिकायत में बार-बार सामने आया ‘पहुंच और पावर’ का जिक्र है। यदि वास्तव में कोई व्यक्ति अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक या सामाजिक पहुंच के नाम पर किसी शिकायतकर्ता को पुलिस में जाने से रोक सकता है, तो फिर कानून-व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है।

- और यदि ऐसा कुछ नहीं है, तो फिर पुलिस को जांच करने में डर किस बात का?
- 65 लाख का हिसाब चाहिए—जांच करिए।
- जातिगत गाली का आरोप है—जांच करिए।
- गोली मारने की धमकी का आरोप है—जांच करिए।
- 50 लाख और मासिक 5 लाख की कथित मांग है—जांच करिए।
- ऑडियो सीडी है—फॉरेंसिक जांच करिए।
- आरोप गलत है—यह भी जांच से साबित कर दीजिए।

लेकिन हर सवाल का जवाब अगर सिर्फ ‘देख रहे हैं’ में मिलता रहता,तो जनता यही पूछेगी कि पुलिस शिकायत देख रही है या शिकायतकर्ता का इंजारा देख रही है?

- अब माजरा क्या है—शोषण,आर्थिक विवाद या प्रभाव का खेल?
- फिलहाल इस पूरे मामले में तीन बड़े संभावित पहलू सामने आते हैं—
- पहला,अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितता का विवाद।
- दूसरा,कथित जातिगत अपमान और धमकी।
- तीसरा,कथित अवैध वसूली और दबाव। इनमें से कौन-सा आरोप सही है और कौन-सा गलत,यह पुलिस जांच से ही सामने आएगा। लेकिन इतना जरूर है कि एक डॉक्टर दंपती द्वारा पुलिस महानिरीक्षक तक पहुंचकर लगाए गए इतने गंभीर आरोपों को महज ‘आपसी विवाद’ कहकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। मामला अगर झूठा है तो जांच करके झूठ सामने लाइए। मामला अगर सच्चा है तो दोषियों पर कार्रवाई कीजिए। क्योंकि कानून का काम न किसी को बचाना है, न किसी को फंसाना। कानून का काम सिर्फ सच तक पहुंचना है। अब देखना यह है कि अम्बिकापुर पुलिस इस मामले में सच तक पहुंचती है या मामला भी उन फाइलों की तरह दबकर रह जाता है,जिन पर धूल तो बहुत जमती है, लेकिन कार्रवाई की तारीख नहीं आती।

राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना करने के लिए समन्वय,सक्रियता और समर्पण से कार्य करें कार्यकर्ता : पवन साय

भाजपा को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर,मंडल प्रवास और कार्यकर्ताओं से सतत संवाद की बनी रणनीति



—संवाददाता—
बैकुण्ठपुर,22 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया एवं मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक बैकुण्ठपुर में आयोजित हुई, बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों,आगामी कार्यक्रमों और कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं से राजनीतिक एवं संगठनात्मक चुनौतियों का मजबूती से सामना करने के लिए समन्वय, सक्रियता और पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता और पीडित दीनदयाल उपाध्याय के छत्राभिचार पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय,कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,प्रदेश महामंत्री अश्विनेश सोनी,प्रदेश शोखल मोडिया प्रभारी मितुल कोठारी,संभागीय संगठन प्रभारी अवधेश चंदेल, जिला प्रभारी ललन प्रताप सिंह,बाबूलाल अग्रवाल,विधायक भैयालाल राजवाड़े,

जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी,चम्पादेवी पावले, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्ण बिहारी जायसवाल एवं अनिल केशरवानी सहित दोनों जिलों के पदाधिकारी और प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं के समर्पण से—बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि भाजपा का संगठन उसकी सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ताओं की मेहनत,समर्पण और आपसी समन्वय से मजबूत होता है,संगठन में प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है,उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल, लगातार संगठनात्मक सक्रियता और जिम्मेदारियों के प्रति पूर्ण समर्पण ही पार्टी को राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता प्रदान करता है, उन्होंने कहा कि नेतृत्व में संयम और कार्यकर्ताओं के प्रति संवेदनशीलता संगठन की महत्वपूर्ण ताकत है,वरिष्ठ पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझते हुए उनके साथ लगातार संवाद और संपर्क बनाए रखना चाहिए,संगठन केवल बैठकों और कार्यक्रमों से मजबूत नहीं होता, बल्कि कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संबंध और निरंतर संपर्क से उसकी जड़ें मजबूत होती हैं।

मंडल स्तर पर बढ़ेगा प्रवास और संवाद—पवन साय ने कहा कि जिला स्तर की बैठक के बाद अब मंडल स्तर पर भी बैठकों और प्रवास का सिलसिला जारी रखा जाएगा, मंडल प्रभारी अपने-अपने मंडलों में नियमित प्रवास करें और पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करें,उन्होंने मोर्चा और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से भी मंडल स्तर पर प्रवास करने तथा अपने-अपने कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया,उन्होंने कहा कि संगठन की गतिविधियों को केवल जिला मुख्यालय तक सीमित रखने के बजाय मंडल और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाना जरूरी है।

सरकार और संगठन के बीच संवाद पर जोर—बैठक के समापन प्रभारी अवधेश चंदेल ने भी बैठक को संबोधित किया,उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने के साथ लाभार्थियों से सीधा संवाद स्थापित करना जरूरी है,उन्होंने जिला,मंडल और बूथ स्तर पर प्रदेश संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रियता के

साथ जुटने का आह्वान किया,उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए निर्धारित कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

कार्यकर्ताओं ने दिए सुझाव—बैठक के दौरान कोरिया और एमसीबी जिले के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर अपने सुझाव एवं विचार रखे,आगामी कार्यक्रमों और संगठन की कार्ययोजना को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई, बैठक में जिला,मंडल और बूथ स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने,कार्यकर्ताओं से नियमित संपर्क बनाए रखने और आगामी कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर दिशा तय की गई।

दोनों जिलों के प्रमुख पदाधिकारी रहे मौजूद—बैठक में कोरिया एवं मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जिला पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे, बैठक का मुख्य संदेश स्पष्ट रहा कि आने वाले समय में भाजपा संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय किया जाएगा,इसके लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों के

बूथ को बताया संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई

प्रदेश संगठन महामंत्री ने बूथ स्तर के संगठन को विशेष महत्व देते हुए कहा कि बूथ संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है,बूथ अध्यक्ष और बूथ समिति के सदस्यों के साथ निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखना आवश्यक है,उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि संगठन द्वारा दिए गए निर्देशों और निर्धारित कार्यक्रमों को समय-सीमा में पूरा किया जाए। बूथ स्तर पर संगठन जितना मजबूत होगा, उतना ही मंडल,जिला और प्रदेश स्तर का संगठन मजबूत बनेगा,उन्होंने बूथ अध्यक्षों की सक्रियता बढ़ाने और उनके साथ वरिष्ठ पदाधिकारियों के नियमित संपर्क पर विशेष जोर दिया।

सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान

पवन साय ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों से सीधा संवाद स्थापित करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को केवल औपचारिक आयोजन न मानते हुए संगठन के विस्तार और समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़ने का अवसर बताया, उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखा जाए।

मंडल प्रवास,कार्यकर्ताओं से नियमित संवाद और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने को संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है,पवन साय के आह्वान के साथ बैठक में संगठन को और अधिक सक्रिय,

व्यवस्थित और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर जोर दिया गया,पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति समर्पण, आपसी समन्वय और निरंतर सक्रियता बनाए रखने की अपेक्षा जताई।

जेलर 2 का पहला ट्रेक रिलीज



चिरंजीवी का काका से फर्स्ट लुक आउट

दो अलग अंदाज में दिखे मेगास्टार चिरंजीवी ने अपने जन्मदिन पर काका का टाइटल टीजर शेयर किया है, जिसमें उन्हें के सत्यम और उनके एक युवा रूप (ऑल्टर ईगो) के तौर पर दिखाया गया है। यह टीजर एक ऐसी फिल्म की झलक दिखाता है, जिसमें वे डबल रोल में नजर आएंगे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित चिरंजीवी ने अपने जन्मदिन पर अपकमिंग फिल्म काका का टाइटल टीजर शेयर किया है। बांबी कोली के निर्देशन में बनी इस फिल्म के टाइटल की झलक शनिवार को दिखाई गई जिसमें एक्टर के दो बिल्कुल अलग किरदारों की पहली झलक देखने को मिली। काका 13 जनवरी 2027 को संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही कंपनी केव्हीएन प्रोडक्शंस ने एक्स पर टाइटल का खुलासा किया। इसके अलावा, चिरंजीवी के पास मल्लिकार्जुन विश्वकर्मा भी है। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

काका से चिरंजीवी का धांसू लुक आया सामने

केव्हीएन प्रोडक्शंस हाउस ने लिखा, मेगास्टार गारु के जन्मदिन पर उनका एक बिल्कुल नया रूप पेश कर रहे हैं। काका इस संक्रांति 13 जनवरी 2027 को बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त बेंचमार्क सेट करेगी। इस झलक की शुरुआत चिरंजीवी के के सत्यम वाले किरदार से होती है, जो एक्का इंडस्ट्री में एक सुपरवाइजर हैं। एक आम मिडिल-क्लास लुक में सत्यम चेन्नई की टीम को भरोसा दिलाते हुए दिखते हैं कि उनका सामान समय पर पहुँच जाएगा। वह सुनील की छुट्टी की गुंजाइश को भी ठुकरा देते हैं और उन्हें याद दिलाते हैं कि उन्हें त्योहार के समय का टारगेट पूरा करना है।

चिरंजीवी की काका टाइटल की झलक

इसके बाद सीन थोड़ा मजेदार हो जाता है। गेटअप श्रीनू का किरदार सत्यम को बताता है कि उसकी बेटी ने उसे स्कूटर की चाबियाँ दी हैं, जब सत्यम उसे चाबियाँ फेंकने के लिए कहता है तो वो गलती से पानी में गिर जाती है। तभी एक कूता रिमोट लेकर आता है, जिसका इस्तेमाल करके सत्यम चुंबक की मदद से चाबियाँ वापस निकाल लेता है। हल्के-फुल्के लगने वाले इस सीन में तब एक हैरान करने वाला मोड़ आता है, जब चाबियों के साथ बंदूक भी सामने आती है। इसी पल सत्यम के अंधेड़ उम्र वाले किरदार और फिल्म के टाइटल काका का पता चलता है।

काका में चिरंजीवी का दो अलग अंदाज

इसके बाद सीन फ्लैशबैक में चला जाता है, जिसमें चिरंजीवी का युवा रूप और बिल्कुल अलग अंदाज दिखाया गया है।

डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर फिल्म जेलर 2 के मेकर्स ने, जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं, शुक्रवार को फिल्म का पहला गाना अला बोलेलो रिलीज किया। इससे फैंस और फिल्म प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही कंपनी सन पिक्चर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पहले गाने के लिखिकल वीडियो का लिंक शेयर किया। उन्होंने लिखा, अला बोलेलो, जिला बोलेलो, जिथला बोलेलो, जिथका बोलेलो! अला बोलेलो का फीवर शुरू हो गया है, लिखिकल वीडियो अब आ गया है! जेलर 2। यह गाना थिरकने पर मजबूर कर देने वाला है और इसे म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध ने कंपोज किया है। दिलचस्प बात यह है कि अनिरुद्ध ने खुद ही इस गाने को गाया है, और इसके बोल डायरेक्टर अरुणराजा कामराज ने लिखे हैं। लेकिन संगीत या बोल से भी ज्यादा, जानी मास्टर की शानदार कोरियोग्राफी सबका ध्यान खींचती है और मुख्य आकर्षण बनी हुई है। एक्ट्रेस शमना कासिम का शानदार डांस परफॉर्मेंस देखने लायक है; उनके मूव्स साथ में डांस कर रहे अन्य डांसर्स के मूव्स के साथ एकदम तालमेल बिठाते हुए लगते हैं। गाने के साथ किया गया यह डांस परफॉर्मेंस भी शायद गाने की तरह ही खूब तारीफें बटोरेंगा।

याद दिला दें कि सिर्फ एक दिन पहले ही एक्ट्रेस शमना कासिम ने कहा था कि डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार की जेलर 2 का हिस्सा बनकर वह खुशी और आभार से भर गई हैं। अपने इंस्टाग्राम पेज पर आभार व्यक्त करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था, मैं प्रतिष्ठित फिल्म जेलर 2 का हिस्सा बनकर सचमुच खुशी और आभार से भर गई हूँ! उन्होंने आगे कहा, मुझे यह शानदार मौका देने के लिए सुपरस्टार रजनीकांत सर, नेल्सन दिलीपकुमार सर, अनिरुद्ध रविचंद्र सर, जानी मास्टर और पूरी जेलर 2 टीम का



दिल से शुक्रिया। इस अविस्मरणीय सपने को हकीकत में बदलने के लिए मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूँ। सचमुच सम्मानित, आभारी और धन्य महसूस कर रही हूँ जानकारी के लिए बता दें कि यह फिल्म इस साल 15 अक्टूबर को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने रिलीज की तारीख बताने वाला एक टीजर जारी किया था, जिसमें एक्टर विनायकम हंसते हुए धमकी देते नजर आए। मुझे मारने के बाद तुम्हें चैन नहीं मिलेगा। मेरे पीछे एक बड़ी दुनिया है, जेलर! यह एक बहुत बड़ा नेटवर्क है। तुम्हें पता भी

नहीं चलेगा कि कौन, कब और कैसे (तुम्हारे पीछे) आएगा। तुम्हारी ज़िंदगी नर्क बन जाएगी। इसके बाद टीजर में रजनीकांत की शानदार एंट्री दिखाई गई और दर्शकों को फिल्म के दूसरे किरदारों की भी झलक मिली। जब से इस प्रोजेक्ट की घोषणा हुई है, तभी से फैंस और आम लोगों के बीच फिल्म को लेकर बहुत ज्यादा उममीदें हैं। इस साल अप्रैल में मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। शूटिंग पूरी होने के मौके पर केक काटने की सेरमनी हुई थी, जिसकी तस्वीरें भी मेकर्स ने शेयर की थीं।



प्रियंका चोपड़ा: बॉलीवुड की किस बात से थीं परेशान

प्रियंका चोपड़ा पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से सिल्वर स्क्रीन पर छाई हुई हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मशहूर चैट शो रेंडेजवस विद सिमी गरेवाल में एक्ट्रेस सिमी गरेवाल के साथ बातचीत के दौरान, देसी गर्ल ने बताया था कि उन्हें बॉलीवुड के बारे में क्या पसंद नहीं है? पीसी ने बताया कि उन्हें यह बात पसंद नहीं है कि इंडस्ट्री नकली और दिखावा करने वाले लोगों से भरी हुई है। बर्फी एक्ट्रेस ने यह भी माना कि अपने करियर की शुरुआत में वह खुद भी बाकी लोगों की तरह बनने लगी थीं, और ऐसी इंसान बन रही थीं जो असल में वह नहीं हैं। प्रियंका ने कहा, मुझे दिखावा करने वाले लोग पसंद नहीं हैं, और उनमें से ज्यादातर ऐसे ही हैं। मेरा मतलब है, हमारे आस-पास समझदार लोग भी हैं, लेकिन बहुत से लोग ऐसे हैं जो बहुत नकली हैं, और यह बात मुझे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होती। मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि शुरुआत में मैं भी बहुत ज्यादा ऐसी ही थी। जबकि असल में मैं वैसी बिल्कुल नहीं हूँ। 2003 में द हीरो लव स्टोरी ऑफ़ ए स्याई से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद, प्रियंका ने अंदाज (2003), ऐतराज (2004), कृष (2006), डॉन (2006), फ़ैशन (2008), बर्फी! (2012), मैरी कॉम (2014) और बाजीराव मस्तानी (2015) जैसी फिल्मों से एक भरोसेमंद एक्ट्रेस के तौर पर अपनी जगह पक्की की। इंडियन फ़िल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के बाद, पीसी ने हॉलीवुड में भी सिटाडेल, द ब्लफ़ और हेड्स ऑफ़ स्टेट के जरिए काफी चर्चा बटोरी है। अब प्रियंका इंडियन सिनेमा में वापसी करने के लिए तैयार हैं; उन्हें एएसएम राजामीली की आने वाली एक्शन-एडवेंचर ड्रामा फिल्म वाराणसी में लीड एक्ट्रेस के तौर पर कास्ट किया गया है। अपनी अम्ली फिल्म में प्रियंका मंदकिनी का किरदार निभाती नजर आएंगी, जो एक निडर इतिहासकार है।

खेल समाचार

शुभमन गिल के पास बतौर टेस्ट कप्तान बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका



कोलंबो, 22 अगस्त 2026।

शुभमन गिल की कप्तानी में श्रीलंका के दौरे पर पहुंची भारतीय टीम ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज का काफी शानदार तरीके से आगाज किया था जिसमें उन्होंने गोल में खेले गए पहले मुकाबले को 165 रनों से अपने नाम किया था। अब टीम इंडिया की नज़रें

23 अगस्त से कोलंबो के सौ हलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर खेले जाने वाले दूसरे मुकाबले को लेकर है जिसे वह जीतकर इस सीरीज में क्लीन स्वीप करना चाहेंगे। यदि भारतीय टीम ऐसा करने में कामयाब होती है तो यह शुभमन गिल की कप्तानी में घर से बाहर पहली टेस्ट सीरीज जीत होगी जिसमें वह टेस्ट क्रिकेट में विदेशी सरजमीं पर सीरीज जीतने वाले भारतीय कप्तानों के खास क्लब का हिस्सा बन जाएंगे।

टीम इंडिया ने तीन सालों से नहीं जीती घर से बाहर टेस्ट सीरीज भारतीय टीम का टेस्ट क्रिकेट में पिछले एक साल से कोई खास प्रदर्शन देखने को नहीं मिला है, जिसमें उनको

घर पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। वहीं गिल की कप्तानी में अब तक सिर्फ दो टेस्ट सीरीज जीतने में सफलता हासिल हुई है, जिसमें एक वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले साल और एक इस साल अफगानिस्तान के खिलाफ जबकि एक सीरीज ड्रॉ रही है। वहीं भारतीय टीम ने घर से बाहर पिछली बार तीन साल पहले कोई टेस्ट सीरीज जीतने में सफलता हासिल की थी जब उन्होंने साल 2023 में वेस्टइंडीज के दौरे पर खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-0 से अपने नाम किया था। अब गिल की कप्तानी में टीम इंडिया के पास श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीत विदेशी सरजमीं के इस सूखे को खत्म करने का खास मौका रहने वाला है।



लॉन्गेन, 22 अगस्त 2026।

नीरज चोपड़ा ने 2026 सीजन का अपना सबसे अच्छा श्रो किया, लेकिन शनिवार को लॉन्गेन डायमंड लीग में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से एक बार फिर पीछे रह गए और दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर के शानदार श्रो के साथ रैंकिंग में कुछ समय के लिए बढ़त

बना ली थी, लेकिन पथिरागे ने फिर से बढ़त हासिल कर ली और अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का श्रो करके प्रतियोगिता जीत ली। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने 83.54 मीटर के श्रो के साथ शुरुआत की, जिससे वे शुरू में पथिरागे

के पीछे दूसरे स्थान पर थे; इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अपने दूसरे प्रयास में शाम का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और भाले को 88.05 मीटर दूर फेंककर बढ़त हासिल कर ली। लेकिन पथिरागे ने तुरंत ही अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का श्रो करके स्तर ऊंचा कर दिया, जबकि चोपड़ा अपने अगले श्रो में केवल 83.72

मीटर ही फेंक पाए और चौथे प्रयास में फाउल कर बैठे। दो ओलंपिक पदक जीतने वाले इस एथलीट ने अपना पांचवां प्रयास नहीं किया, और पथिरागे भी अपना शॉट नहीं लगा पाए, जिससे भारतीय खिलाड़ी के पास अपने प्रतिद्वंद्वी की बराबरी करने का केवल एक और मौका बचा। हालांकि, चोपड़ा अपने आखिरी श्रो में जरूरी दूरी हासिल नहीं कर पाए और 82 मीटर से थोड़ा ज्यादा ही फेंक पाए, जबकि पथिरागे ने जीत हासिल की। 2026 सीजन में यह तीसरा मौका था जब पथिरागे चोपड़ा से आगे रहे, इससे पहले श्रीलंकाई खिलाड़ी ने 88.68 मीटर के श्रो के साथ भारतीय खिलाड़ी को हराया था और कॉमनवेल्थ गेम्स में चोपड़ा (जिन्होंने सिस्टर मेडल जीता था) से आगे रहकर गोल्ड मेडल जीता था। भले ही वे मैच नहीं जीत पाए, लेकिन चोपड़ा का 88.05 मीटर का श्रो काफी फायदेमंद रहा क्योंकि यह सीजन का उनका सबसे लंबा श्रो था। लॉन्गेन मीट सीजन के अंत में डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की चोपड़ा की कोशिश के लिहाज से भी अमूल्य थी; पुरुषों की जैवलिन रैंकिंग में शीर्ष छह एथलीट ही सीधे क्वालिफाई करते हैं, जबकि अतिरिक्त जगहें राष्ट्रीय या वैश्विक वाइल्डकार्ड के जरिए मिलती हैं।

न्यायालय तहसीलदार
सूरजपुर जिला सूरजपुर, छ0ग0
सर्वजनिक उद्घोषणा ईशतहार
क्रमांक- / वाचक-2/2026
सूरजपुर, दिनांक / 08/2026

सर्व साधारण
ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम नवगई
प0ह0न0 तहसील सूरजपुर जिला
सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि
आवेदक विकुल बिहारी सिंह पिता
स्व. चन्द्र भान जाति गोंड निवासी ग्राम
नवगई पोस्ट बसदेई थाना सूरजपुर
तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर
(छ0ग0) ने अपने दादी स्म0
धनेसिया उरें पति भजन साय उरें
जन्म/मृत्यु तिथि 05/08/2023 मृत्यु
स्थान नवगई के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन
पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है,
जिसमें कार्यवाही की जा रही है।
अतः इस न्यायालय में
जिस व्यक्ति को कोई
दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वयं
अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस
न्यायालय में दिनांक 01/09/2026
दिन मंगलवार को उपस्थित होकर
दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते
हैं। बाद में प्राप्त लावा/आपत्ति/ आक्षेप
पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 21/08/2026
को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर
से जारी किया गया।

तहसीलदार
सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार
सूरजपुर जिला सूरजपुर, छ0ग0
सर्वजनिक उद्घोषणा ईशतहार
क्रमांक- 3110/ / वाचक-2/2026
सूरजपुर, दिनांक 18/08/2026

सर्व साधारण
ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम नवगई
प0ह0न0 तहसील सूरजपुर जिला
सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि
आवेदक सुखरित पिता/पति स्व.
गुलाब जाति गोंड निवासी ग्राम नवगई
पोस्ट बसदेई थाना सूरजपुर तहसील
सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने
अपने पत्नी शिवकुमारी पिता सुखरित
जन्म/मृत्यु तिथि 06/07/2025 मृत्यु
स्थान नवगई के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन
पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है,
जिसमें कार्यवाही की जा रही है।
अतः इस न्यायालय में
जिस व्यक्ति को कोई
दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वयं
अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस
न्यायालय में दिनांक 01/09/2026
दिन मंगलवार को उपस्थित होकर
दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते
हैं। बाद में प्राप्त लावा/आपत्ति/ आक्षेप
पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 18/08/2026
को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर
से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील मानी,
जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार
सूरजपुर जिला सूरजपुर, छ0ग0
सर्वजनिक उद्घोषणा ईशतहार
क्रमांक- 3124/ / वाचक-2/2026
सूरजपुर, दिनांक 21/08/2026

सर्व साधारण
ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम गेतरा
प0ह0न0 तहसील सूरजपुर जिला
सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि
आवेदक ज्योति सिंह पिता/पति स्व.
बाल सारसिंह जाति गोंड निवासी ग्राम
गेतरा पोस्ट केतका थाना सूरजपुर
तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर
(छ0ग0) ने अपने नानी दिलबसिया
गोंड पति सोहन गोंड जन्म/मृत्यु तिथि
10/07/2023 मृत्यु गेतरा
के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस
न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें
कार्यवाही की जा रही है।
अतः इस न्यायालय में
जिस व्यक्ति को कोई
दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वयं
अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस
न्यायालय में दिनांक 5/09/2026
दिन मंगलवार को उपस्थित होकर
दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते
हैं। बाद में प्राप्त लावा/आपत्ति/ आक्षेप
पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 21/08/2026
को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर
से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील मानी,
जिला-सूरजपुर

कार्यालय प्राचार्य, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा, छ0ग0

Ph.No. - 07774-230921, 9826305014,
Email-rpgp.apur1960@gmail.com, www.rpgpcapur.ac.in

परिशिष्ट-1

अतिथि व्याख्याता हेतु सक्षिप्त विज्ञापन

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.) में विषय भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, भूगर्भ शास्त्र, वाणिज्य, क्रीड़ा अधिकारी में अध्यापन व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता / अतिथि क्रीड़ा अधिकारी एवं अतिथि शिक्षण सहायक/क्रीड़ा सहायक हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 31.08.2026 को सायं 5.30 बजे तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

नोट - 1. शासन द्वारा समय-समय पर जारी समस्त दिशानिर्देश एवं नियमों का पालन किया जायेगा। 2. विस्तृत जानकारी महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड एवं वेबसाइट (www.rpgpcapur.ac.in) पर उपलब्ध है।

प्राचार्य
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा
जी.नं.- 262702907/2

40 की उम्र में फुटबॉल में वापसी करेंगे उसेन बोल्ट



नई दिल्ली, 22 अगस्त 2026। दुनिया के सबसे तेज धावक और आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता उसेन बोल्ट एक बार फिर फुटबॉल मैदान पर नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 40 वर्षीय जमैका के दिग्गज एथलीट का नाम मैनचेस्टर स्थित व्हाईटहॉर्न वेल्स की पंजीकृत खिलाड़ी सूची में शामिल किया गया है। यह टीम ओवर-35 वेटरन्स लीग में खेलती है। हालांकि क्लब की ओर से अभी तक बोल्ट के शामिल होने की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन टीम की खिलाड़ी सूची में उनका नाम आने के बाद फुटबॉल प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। उसेन बोल्ट ने 2017 में एथलेटिक्स से संन्यास लेने

के बाद फुटबॉल में करियर बनाने की कोशिश की थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के सेंट्रल कोस्ट मैनेस्स के साथ ट्रेनिंग की और एक दोस्ताना मुकाबले में दो गोल भी किए थे। इसके अलावा उन्होंने जर्मनी के बोरसिया डॉर्टमंड जैसे क्लबों के साथ भी अभ्यास किया था। हालांकि वह पेशेवर फुटबॉलर बनने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाए, लेकिन फुटबॉल के प्रति उनका जुनून हमेशा बरकरार रहा। अगर बोल्ट इस टीम के लिए मैदान पर उतरते हैं तो वह अकेले बड़े नाम नहीं होंगे। व्हाईटहॉर्न वेल्स में कई पूर्व प्रीमियर लीग खिलाड़ी भी शामिल हैं। टीम से जुड़े खिलाड़ियों में एमिल हेस्की, एंटोनियो वालेंसिया, जोलियन लेस्कोट, डैनी ड्रिंकवॉटर और मार्क अलबाइटन जैसे पूर्व दिग्गजों के नाम शामिल हैं। क्या 40 साल की उम्र में दिखेगी वही रफ्तार? उसेन बोल्ट के नाम 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ के विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। उनकी रफ्तार ने उन्हें दुनिया का सबसे तेज इंसान बनाया, लेकिन फुटबॉल में सिर्फ गति ही नहीं बल्कि तकनीक, फिटनेस और मैच अनुभव भी मायने रखता है।

नवा रायपुर ब्लू वाटर खदान होगी प्रतिबंधित, सरकार ने लिया बड़ा फैसला



रायपुर, 22 अगस्त 2026। नवा रायपुर के नकटी स्थित ब्लू वाटर खदान में लगातार हो रही मौतों को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार ने अब सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि ब्लू वाटर खदान को प्रतिबंधित किया जाएगा और खदानों के चारों ओर फेंसिंग कराई जाएगी। इसके लिए बाहर से आई टीम लगातार काम कर रही है। नवा रायपुर के ब्लू वाटर खदान में हदसों के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। अब सरकार ने यहां लोगों की आवाजाही रोकने के लिए खदान को प्रतिबंधित करने का फैसला लिया है। मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि खदानों के चारों तरफ फेंसिंग की जाएगी, ताकि लोग यहां पहुंचकर किसी तरह की दुर्घटना का शिकार न हों।

पेपर लीक मामले में दोषियों पर कार्रवाई का दावा

मंत्री टंक राम वर्मा ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में सामने आए पेपर लीक मामले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा प्रणाली को साफ-सुथरा रखना चाहती है। पेपर लीक जैसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

युवाओं से संवाद पर भी बोले मंत्री

छत्तीसगढ़ के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के युवाओं से संवाद को लेकर भी टंक राम वर्मा ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में ले जाने की जरूरत है। इसके लिए युवाओं की बात सुनना जरूरी है। मंत्री ने कहा कि अगर युवाओं की समस्याएं नहीं सुनी जाएंगी, तो उनका समाधान कैसे निकलेगा। उन्होंने युवाओं के साथ संवाद को जरूरी बताया।

कांग्रेसियों ने डिप्टी सीएम साव को दिखाए काले झंडे : महासमूद में 'अरुण साव वापस जाओ' के नारे, सड़कों की बदहली पर सरकार को घेरा



महासमूद, 22 अगस्त 2026। महासमूद में उपमुख्यमंत्री अरुण साव के महासमूद आगमन पर शांतिवादी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिले की बदहल सड़कों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक विनोद सेनलाल चंद्राकर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेहरू चौक स्थित कांग्रेस भवन के सामने काले झंडे दिखाए। कार्यकर्ताओं ने सिर पर काली पट्टी बांधकर और हाथों में काले झंडे लेकर 'अरुण साव वापस जाओ' के नारे लगाए।

काफिले के सामने दिखाए काले झंडे

उपमुख्यमंत्री अरुण साव महासमूद विधायक की ओर से आयोजित रुद्राभिषेक और हवन-पूजन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उनके आगमन की सूचना के बाद कांग्रेस ने सड़कों की बदहली को लेकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी की थी। नेहरू चौक से गुजरते समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री के काफिले के सामने काले झंडे लहराए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस सुरक्षा के बीच काफिला आगे बढ़कर विधायक कार्यालय की ओर रवाना हो गया।

बीटीआई रोड समेत कई सड़कों की खराब हालत का मुद्दा

कांग्रेस नेताओं ने महासमूद शहर के बीटीआई रोड (गौरव पथ), तुमगांव रोड, खड्डी और कोना समेत जिले के कई मार्गों की खराब स्थिति को लेकर सरकार और लोक निर्माण विभाग पर सवाल उठाए। पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर ने कहा कि जिले की कई प्रमुख सड़कों लंबे समय से खराब हैं। बारिश के मौसम में सड़कों पर गड्ढे और कीचड़ की स्थिति और ज्यादा गंभीर हो गई है। इससे वाहन चालकों और आम लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि जिले की प्रमुख सड़कों का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और जरूरी मरम्मत व निर्माण कार्य शुरू किए जाएं।

बिना सर्वे और सुनवाई के बेदखल नहीं कर सकेगा नगर-निगम... बिलासपुर के 121 छोटे-कारोबारियों को हाईकोर्ट से राहत



बिलासपुर, 22 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे दुकानदारों को हटाने से पहले उनका सर्वे करना और उनका पक्ष सुनना जरूरी है। जस्टिस एके प्रसाद ने कहा कि नगर निगम बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए और प्रभावित दुकानदारों को सुनवाई का मौका दिए बिना उन्हें उनकी जगह से नहीं हटा सकता। कोर्ट ने बिलासपुर के 121 छोटे कारोबारियों को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देने का आदेश दिया है। साथ ही नगर निगम को 90 दिनों के भीतर बेदखली के आदेश पर फैसला लेने को कहा है। तब तक याचिकाकर्ताओं को मिला अंतरिम राहत जारी रहेगी। हाईकोर्ट के इस फैसले से कोनों में ठेला और गुमटी लगाकर कारोबार करने वाले छोटे दुकानदारों को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, नगर निगम के जोन नंबर 8 के तहत कोनी क्षेत्र में गुमटी और ठेला लगाकर कारोबार करने वाले 121 स्ट्रीट वेंडर्स को दुकानों हटाने का नोटिस दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ कोनी न्यायिक कल्याण संघ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया कि कोनी क्षेत्र में करीब 121 छोटे दुकानदार लंबे समय से अपनी दुकानें चला रहे हैं। उनकी दुकानें नाली के पीछे और मुख्य सड़क से करीब 10 से 15 फीट दूर हैं। व्यापारियों का कहना है कि इन दुकानों से सड़क पर आने-जाने वाले लोगों और वाहनों को किसी तरह की परेशानी नहीं होती। बिना सर्वे और सुनवाई के बेदखली नोटिस याचिकाकर्ताओं का कहना था कि नगर निगम ने बिना कानूनी सर्वे कराए और वैंडिंग जॉन तय किए बिना ही दुकानदारों को हटाने का नोटिस दे दिया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पेपर लीक कांड का मास्टर माइंड निकला प्रोफेसर, 6 गिरफ्तार

रायपुर, 22 अगस्त 2026। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की कीटशास्त्र परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करने के मामले में पुलिस ने 36 घंटे के भीतर बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी प्रोफेसर समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मामले का मास्टरमाइंड भारतीय एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग का प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया है। 20 अगस्त को बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष द्वितीय सेमेस्टर की एजीसीएच-221 (कीटशास्त्र) परीक्षा आयोजित होनी थी। परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने की सूचना सामने आई। इसके बाद थाना तेलीबांधा में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, बिलासपुर और आसपास के जिलों में दृष्टि देकर आरोपियों तक पहुंच बनाई। जांच में सामने आया कि प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया ने प्रश्नपत्र के लिफाफे



में सुई और नुकीले उपकरण से छेदा छेद कर मोबाइल कैमरे के जरिए प्रश्नपत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग की। इसके बाद प्रश्नपत्र की सामग्री तैयार कर उसने अपने कॉलेज के छात्रों को 11 हजार रुपये में बेचने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, प्रश्नपत्र आगे अजय नायक के माध्यम से त्रिदेव पटेल, नितिन पाण्डेय, अनुज मिंज और आदित्य साहू तक पहुंचा। पुलिस ने सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11 हजार रुपये नकद, 6 मोबाइल फोन, वीडियो रिकॉर्डिंग डिवाइस, केबल,



परीक्षा शुरू होने से 2 घंटे पहले वॉट्सऐप पर मिला था पेपर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर सेकेंड ईयर के एंटीमोलॉजी यानी कीट विज्ञान का पेपर परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले वॉट्सऐप पर लीक हुआ था। परीक्षा शुरू होने से पहले ही पेपर की तस्वीरें और सवाल विद्यार्थियों के बीच वॉट्सऐप पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि पेपर किसी अन्य सोर्स से फॉरवर्ड होकर विद्यार्थियों तक पहुंचा था।

6 घंटे में पेपर लीक का खुलासा

पेपर वॉट्सऐप पर वायरल होने के बाद इसकी जानकारी युनिवर्सिटी प्रशासन ने पुलिस को दी। पुलिस ने तकनीकी जांच और पूछताछ के आधार पर दुर्ग निवासी अनुज मिंज को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। इसके बाद कबीरधाम, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर समेत कई जिलों में अलग-अलग टीमों भेजी गईं। करीब 36 घंटे की लगातार जांच के बाद पुलिस ने पेपर लीक के पूरे मामले का खुलासा किया।

स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया को मिला हाईकोर्ट के अवमानना का नोटिस

6 महीने में मामले का निराकरण करने के आदेश के बावजूद कार्रवाई नहीं करने का आरोप

बिलासपुर, 22 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया को अवमानना नोटिस जारी किया है। यह मामला तय समय में एक आवेदन पर फैसला नहीं लेने से जुड़ा है। कोर्ट ने सचिव से जवाब मांगा है कि जब तय समय में आवेदन का निपटारा नहीं किया गया तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए। यह मामला गरियाबंद जिले के आमदी-मा, शहीद भवन निवासी दायसिंह धुव से जुड़ा है। वे गरियाबंद के मुख्य ज्विकिस्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में ड्राइवर के पद पर काम करते थे। कलेक्टर ने उनका ट्रांसफर मैनपुर कर दिया था। दायसिंह धुव ने इस ट्रांसफर के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। रिट याचिका



की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग के सचिव को दायसिंह धुव के मामले पर फैसला लेने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एसके नौशाद रहमान बनाम यूनिन ऑफ इंडिया मामले में दिए गए फैसले के आधार पर छह महीने के भीतर

दायसिंह धुव ने अपने वकील अभिषेक पांडेय और ऋषभदेव साहू के जरिए हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की। वकीलों ने कोर्ट में कहा कि हाईकोर्ट ने छह महीने के अंदर मामले का फैसला करने का साफ निर्देश दिया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। उन्होंने न्यायालय अवमानना अधिनियम की धारा 12(1) के तहत कार्रवाई की मांग की। वकीलों ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट के आदेशों का समय पर पालन नहीं होने से अवमानना के मामले बढ़ रहे हैं। इससे कोर्ट का समय भी बर्बाद होता है और दूसरे जरूरी मामलों की सुनवाई प्रभावित होती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया को अवमानना नोटिस जारी किया है।

झंडारोहण के दौरान सरपंच पर तुलसी जल छिड़का... पंडित से शुद्धिकरण कराया, आरोपी सचिव का हुआ तबादला, एफआईआर भी दर्ज

महासमूद, 22 अगस्त 2026। महासमूद जिले के सरायपाली विकासखंड की ग्राम पंचायत किसड़ी में स्वतंत्रता दिवस के झंडारोहण के दौरान जातिगत भेदभाव का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सरपंच नीलमणि रात्रे ने आरोप लगाया कि पंचायत सचिव पृथ्वीराज भोंई ने ध्वजारोहण के दौरान उन पर तुलसी जल छिड़ककर शुद्धिकरण किया और फिर पंडित बुलाकर मंत्रोच्चार कराया। इस मामले में सरपंच की शिकायत पर जिला पंचायत सीईओ अनुपमा आनंद ने सचिव का तत्काल तबादला किसड़ी से सिरपुर ग्राम पंचायत कर दिया है और एफआईआर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पंचायत भवन में सार्वजनिक झंडारोहण कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान सचिव पृथ्वीराज भोंई ने सरपंच की जाति को लेकर अपवित्रता दूर करने की मंशा से उनके ऊपर तुलसी मिला पानी छिड़का। इसके



बाद पंडित बुलाकर मंत्रोच्चारण कराया गया। सरपंच नीलमणि रात्रे ने बताया कि राष्ट्रीय पर्व पर मेरे साथ अपमानजनक और भेदभावपूर्ण कृत्य किया गया। सरकारी कार्यालय और सार्वजनिक मंच पर यह व्यवहार सैवधानिक मूल्यों के खिलाफ और बेहद अपमानजनक है। घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह कृत्य कथित तौर पर सरपंच की जाति को लेकर अपवित्रता दूर करने की मंशा से किया गया। एक सरकारी कार्यालय और सार्वजनिक मंच पर इस तरह का व्यवहार सैवधानिक मूल्यों के खिलाफ है। यह बेहद अपमानजनक है। घटना से गांव में भारी आक्रोश का माहौल देखा गया।

नाबालिग से रेप... आरोपी को 20 साल की सजा घर से भगाकर मंदिर में की शादी फिर कई बार किया दुष्कर्म, 5 लाख मुआवजे की सिफारिश

रायपुर, 22 अगस्त 2026। रायपुर की प्रथम फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 17 साल की नाबालिग बच्ची को घर से भगाकर ले जाने, शादी करने और अलग-अलग जगहों पर कई बार दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी संजय कुमार चंद्राकर को 20 साल की कठोर सजा सुनाई है। कोर्ट के न्यायाधीश अर्चुलाल काछी ने यह फैसला सुनते हुए आरोपी पर 1 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर उसे 2 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने पीड़िता का हुए शारीरिक और मानसिक नुकसान और उसके पुनर्वास के लिए 5 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति देने की अनुशंसा भी की है। मामले में पीड़िता की ओर से विशेष लोक अभियोजक डालेश्वर प्रसाद साहू ने पैरवी की। वकील डालेश्वर साहू ने बताया कि कई



2005 में आरोपी संजय नाबालिग के घर के सामने से आता-जाता था। इसी दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। बाद में आरोपी ने उसे अपना मोबाइल नंबर दिया और फोन पर बातचीत होने लगी। आरोपी नाबालिग से कहता था कि वह उससे प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। शादी नहीं करने पर आत्महत्या करने की बात करता था। इस बात का झंसा देकर आरोपी नाबालिग को घर से भगा का ले गया और महासमूद के बागबाहरा स्थित मंदिर में शादी की।

गरियाबंद में 2005-07 की शिक्षाकर्मिं भर्ती फिर सवालों के घेरे में 111 सद्विध नामों की सूची सामने, नए कलेक्टर से कार्रवाई की उम्मीद

गरियाबंद, 22 अगस्त 2026। मैनपुर जनपद पंचायत में वर्ष 2005 से 2007 के बीच हुई शिक्षाकर्मिं भर्ती का करीब दो दशक पुराना मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। भर्ती प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों में कथित अनियमितताओं को लेकर 111 नामों वाली एक सूची सामने आने के बाद मामले में जांच और कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। अब लोगों की नजरें गरियाबंद के नवनियुक्त कलेक्टर रणबीर शर्मा पर टिकी हैं। अब नए कलेक्टर से उम्मीद : बताया जा रहा है कि इस भर्ती मामले में पूर्व में भी कई स्टरो पर जांच हो चुकी है। जांच के दौरान कुछ शिक्षाकर्मियों के दस्तावेजों को लेकर आपत्तियां सामने आने और कार्रवाई किए जाने की बात कही जाती रही है। जुलाई 2026 में भी संबंधित शिक्षकों की अवतन सूची और दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी मांगे जाने की चर्चा सामने आई थी। 111 नामों की सूची से फिर उठे सवाल : मामले में सामने आई 111 नामों की सूची में अलग-अलग अप्रस्थितियों के दस्तावेजों को लेकर विभिन्न प्रकार की आपत्तियों का उल्लेख होने



की बात सामने आई है। इनमें अंकसूची, अनुभव प्रमाण-पत्र, बीएड-डीएड प्रमाण-पत्र, खेलकूद प्रमाण-पत्र, विकलांगता प्रमाण-पत्र सहित अन्य दस्तावेज शामिल बताए जा रहे हैं। कुछ मामलों में अंकसूची संधिगत बताए जाने कहीं अनुभव प्रमाण-पत्र की जांच की आवश्यकता और कुछ मामलों में दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने जैसी टिप्पणियां दर्ज होने की बात कही जा रही है। हालांकि, केवल किसी सूची में नाम दर्ज होना किसी व्यक्ति को दोषी साबित नहीं करता। संबंधित दस्तावेजों का मूल रिकॉर्ड से सत्यापन और सक्षम स्तर पर विधिवत जांच के बाद ही किसी व्यक्ति की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

वर्षों से जांच के बावजूद कार्रवाई पर सवाल : इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि यदि भर्ती प्रक्रिया को लेकर वर्षों से शिकायतें और जांच चलती रही हैं, तो अब तक इसका अंतिम समाधान क्यों नहीं हो सका। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि समय-समय पर संबंधित विभागों और अधिकारियों से दस्तावेज तथा जांच रिपोर्ट मांगी जाती रही, लेकिन मामले में अपेक्षित कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। यही वजह है कि अब नए प्रशासन से मामले को नए सिरे से गंभीरता से देखने की उम्मीद जताई जा रही है। नए कलेक्टर के सामने पुरानी फाइल की चुनौती : छत्तीसगढ़ शासन की 18 अगस्त 2026 के प्रशासनिक फेरबदल के बाद रणबीर शर्मा को गरियाबंद का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया। उन्होंने 21 अगस्त को गरियाबंद कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया। ऐसे में मैनपुर की वर्ष 2005-07 की शिक्षाकर्मिं भर्ती का मामला नए कलेक्टर के सामने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

वॉश एंड वॉश ब्लैक करेंसी स्कैम का पर्दाफाश : 4 करोड़ से ज्यादा कैश के साथ अंतरराज्यीय गिरोह के 7 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 22 अगस्त 2026। राजधानी रायपुर में 1.13 करोड़ रुपये की ठगी के मामले की जांच करते हुए रायपुर पुलिस ने देशभर में सक्रिय एक बड़े अंतरराज्यीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने पुणे के खंडाला स्थित एक रिसॉर्ट में दबिश देकर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 4 करोड़ रुपये से अधिक कैश, 17 मोबाइल फोन, नोट के आकार के काले पेपर, कांच की प्लेट्स समेत ठगी में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री और दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह वर्ष 2005 से सक्रिय है और देश के अलग-अलग राज्यों में 100 से ज्यादा लोगों को निशाना बनाकर अरबों रुपये की ठगी कर चुका है। गिरोह के सदस्य लोगों को कम समय में रकम दोगुनी करने और काले नोटों को



केमिकल के जरिए असली भारतीय मुद्रा में बदलने का झंसा देते थे। रायपुर में 1.13 करोड़ की ठगी से खुला गिरोह का राज : मामला थाना तेलीबांधा के अपराध क्रमांक 330/2026, धारा 318(4), 61(2) बीएनएस से जुड़ा है। इस मामले में पुलिस ने पहले नागपुर से दो महिला आरोपियों कनिज फातमा उर्फ भावना पांडेय और दीपिका पॉलीवाल को गिरफ्तार किया था।

दोनों के कब्जे से मोबाइल फोन, 26 हजार रुपये नगदी, एटीएम कार्ड और आधार कार्ड समेत करीब 70 हजार रुपये की सामग्री बरामद की गई थी। पूछताछ और आरोपियों के मोबाइल फोन में मौजूद चैट, संस्कृत नंबर, सोशल मीडिया अकाउंट तथा अन्य डिजिटल साक्ष्यों के तकनीकी विश्लेषण के बाद पुलिस को गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इन सुरागों के आधार पर आरोपियों की लोकेशन पुणे में मिली। खंडाला के रिसॉर्ट में करोड़ों की ठगी करते पकड़े गए : पुलिस टीम ने पुणे पहुंचकर करीब एक सप्ताह तक आरोपियों की गतिविधियों और संभावित ठिकानों पर नजर रखी। इसी दौरान खंडाला स्थित एक रिसॉर्ट में गिरोह के सदस्यों की मौजूदगी की जानकारी मिली। पुलिस ने रिसॉर्ट में रेड की तो वहां 7 आरोपी एक खास ठगी का रकम दोगुनी करने का झंसा

देकर ठगी करते हुए मिले। पुलिस के मुताबिक वाराणसी निवासी पीड़ित करोड़ों रुपये लेकर रिसॉर्ट पहुंचा था और रकम दोगुनी करने के लालच में आरोपियों को पैसों सौंप चुका था। इसी दौरान पुलिस टीम ने आरोपियों को रकम लेते हुए पकड़ लिया। ऐसे में मैनपुर की वर्ष 2005-07 की गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया गया। 4 करोड़ से ज्यादा कैश और 17 मोबाइल जम्ब : पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 करोड़ रुपये से अधिक नकद रकम, 17 मोबाइल फोन, नोट के आकार के काले पेपर, कांच की प्लेट्स, ठगी में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री समेत विभिन्न दस्तावेज जम्ब किए हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद सामग्री की जांच की जा रही है और इससे गिरोह की ठगी के तरीके तथा अन्य मामलों में सलिताता के बारे में और जानकारी सामने आने की संभावना है।